वर्ष-10 अंक-227 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, बुधवार 20 नवम्बर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From

Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी जहाज से भिड़ा भारतीय तटरक्षक बल, दो घंटे तक पीछा करने के बाद सात मछुआरों को बचाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अधिकारियों ने बताया कि तटरक्षक बल को रविवार दोपहर नो-फिशिंग जोन (एनएफजेड) के पास काम कर रही एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव काल भैरव से खतरे का संकेत मिला। इसके बाद बचाव अभियान पर जहाज अग्रिम को भेजा गया। जहाज अग्रिम ने दो घंटे तक पाकिस्तान के जहाज का पीछा किया पाकिस्तान-भारत की समुद्री सीमा रेखा के पास पाकिस्तानी जहाज ने भारतीय मछुआरों को पकड़ा। इसकी सूचना मिलते ही भारतीय तटरक्षक बल के जहाज अग्रिम ने तत्काल कार्रवाई की। समुद्र में दो घंटे तक भारतीय जहाज ने पाकिस्तान के जहाज का पीछा किया। इसके बाद सात भारतीय मछुआरों को बचाया। मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि तटरक्षक बल को रविवार दोपहर नो-फिशिंग जोन (एनएफजेड) के पास काम कर रही एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव काल भैरव से खतरे का संकेत मिला। इसके बाद बचाव अभियान पर जहाज अग्रिम को भेजा गया। जहाज अग्रिम ने मौके पर पहुंचकर दो घंटे तक पाकिस्तान के जहाज का पीछा किया। पाकिस्तान के जहाज पर तैनात अधिकारियों से कहा गया कि वह भारतीय मछुआरों को छोड़ दें। मगर पाकिस्तान का जहाज रुकने को तैयार नहीं था। काफी मशक्कत के बाद भारतीय तटरक्षक बल के जहाज ने पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) के जहाज नुसरत को रोका और मछुआरों को मुक्त कराया। आईसीटी जहाज सात मछुआरों को सुरक्षित रूप से वापस लाया। सभी का मेडिकल परीक्षण कराया गया, सभी स्वस्थ हैं। हालांकि काल भैरव नाव टूटकर समुद्र में ही डूब गई। मामले में तटीय सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि हालांकि, भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव ठकाल भैरवठ को घटना के दौरान क्षतिग्रस्त और डूब जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद भारतीय तटरक्षक बल ने तत्काल कार्रवाई की और मछुआरों को बचाया।

ब्रिटिश मंत्री वेस्ट ने जताई भारत संग द्विपक्षीय सहयोग की प्रतिबद्धता, कहा- हमारा अहम साझेदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ब्रिटिश मंत्री वेस्ट ने कहा, भारत हमारा एक महत्वपूर्ण भागीदार है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ब्रिटिश सरकार के एक रीडआउट के मुताबिक, कैथरीन वेस्ट ने कहा कि भारत संग ब्रिटेन द्विपक्षीय साझेदारी को पूरी क्षमता से बढ़ाना जारी रखेगा। ब्रिटेन की हिंद-प्रशांत मंत्री कैथरीन वेस्ट ने सोमार को दो दिनी यात्रा पर कहा कि भारत के साथ गहरा सहयोग बढ़ाने के लिए ब्रिटेन प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, इसका सबसे बड़ा कारण है कि भारत हमारा एक महत्वपूर्ण भागीदार है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ब्रिटिश सरकार के एक रीडआउट के मुताबिक, कैथरीन वेस्ट ने कहा कि भारत संग ब्रिटेन द्विपक्षीय साझेदारी को पूरी क्षमता से बढ़ाना जारी रखेगा। इससे पहले जुलाई में नई दिल्ली दौरे पर आए ब्रिटिश

विदेश मंत्री डेविड लैमी द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षाओं के आधार पर दोनों देशों के लिए अधिक से अधिक विकास को आगे बढ़ाने को लेकर भी कैथरीन वेस्ट ने आशा जताई। उन्होंने दोहराया कि ब्रिटेन पारस्परिक रूप से लाभप्रद मुक्त व्यापार समझौते और द्विपक्षीय निवेश संधि पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वेस्ट ने कहा, हिंद-प्रशांत मंत्री के रूप में पहली बार भारत का दौरा करने पर मुझे खुशी हो रही है। कैथरीन वेस्ट ने कहा, उम्मीद है कि यह दौरा दोनों पक्षों के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समग्र स्थिति की समीक्षा करेगा और क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीके तलाशेगा। ब्रिटिश सरकार के रीडआउट में कहा गया है कि ब्रिटिश काउंसिल में एक शिक्षा गोलमेज़ के दौरान, मंत्री भारत-ब्रिटेन के बीच अद्वितीय जीवंत पुल के बारे में और जानेंगे। ब्रिटिश मंत्री का जामा मस्जिद का दौरा करने का भी कार्यक्रम है जहां वह इसके इतिहास और वास्तुकला के बारे में सीखेंगी।

चुनाव आयोग ने जब्त की एक हजार करोड़ की संपत्ति, महाराष्ट्र-झारखंड में पिछले चुनाव से सात गुना अधिक है रकम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड से इस बार कुल मिलाकर 858 करोड़ रुपये की संपत्ति और नकदी जब्त की गई। जबकि पिछले चुनाव में

महाराष्ट्र से 103.61 करोड़ और झारखंड से 18.76 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी। चुनाव आयोग ने इस बार महाराष्ट्र-झारखंड विधानसभा चुनाव और उपचुनाव में मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए किए जाने वाले अवैध कामों पर शिकंजा कसा है। आयोग ने चुनाव में एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की है। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव में 2019 के मुकाबले यह रकम सात गुना ज्यादा है। महाराष्ट्र और झारखंड से इस बार कुल मिलाकर 858 करोड़ रुपये की संपत्ति और नकदी जब्त की गई। जबकि पिछले चुनाव में महाराष्ट्र से 103.61 करोड़ और झारखंड से 18.76 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रवर्तन एजेंसियों, पुलिस और चुनाव अधिकारियों को चुनाव में मतदाताओं को प्रलोभन देने से रोकने वाले कृत्यों को रोकने के लिए कहा था। आयोग ने नकदी, शराब, ड्रग्स, मुफ्त उपहारों को जब्त करने के लिए कहा था।इसके बाद प्रवर्तन एजेंसियों ने कड़ी कार्रवाई की।

पूर्व मंत्री अनिल देशमुख की कार पर पथराव, सिर में लगी चोट; बेटे के विधानसभा क्षेत्र में हुआ हमला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर आज चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है। इसी बीच एक बड़ी खबर राज्य के नागपुर जिले

से आयी है, जहां राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के काफिले पर पथराव हुआ है। नागपुर पुलिस ने बताया कि इस हमले में अनिल देशमुख घायल हो गए हैं।महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख के कार पर नागपुर जिले में पथराव किया गया है। जानकारी के मुताबिक पूर्व मंत्री अनिल देशमुख इस पथराव में घायल हो गए हैं। नागपुर पुलिस ने इस मामले की पुष्टि की है। पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी शरद पवार गुट के नेता अनिल देशमुख पर नागपुर के काटोल विधानसभा क्षेत्र में हमला हुआ है, इस दौरान उनकी कार पर कई लोगों ने पत्थरबाजी की, जिससे उनके सिर में चोट लगी है। वहीं इस मामले में एनसीपी-एससीपी नेता अनिल देशमुख ने आरोप लगाया है कि कटोल विधानसभा क्षेत्र के कटोल जलालखेड़ा रोड पर कुछ लोगों ने उनकी कार पर पथराव किया। इस घटना में उन्हें चोटें आईं हैं और उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया जा रहा है। बता दें कि अनिल देशमुख के बेटे सलिल देशमुख एनसीपी शरद पवार के टिकट पर काटोल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।फिलहाल इस मामले में पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की पहचान करने में जुट गई हैं।

'बड़ी सजा पर मौखिक साक्ष्य दर्ज करना अनिवार्य', सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को किया रद्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें लोक सेवक के खिलाफ अनुशासनात्मक प्राधिकारी के आदेश की पुष्टि की

गई थी।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी (अनुशासन और अपील) नियम, 1999 के तहत जब जांच में बड़ी सजा देने का प्रस्ताव हो तो किसी लोक सेवक के खिलाफ आरोपों के समर्थन में मौखिक साक्ष्य दर्ज करना अनिवार्य है। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें लोक सेवक के खिलाफ अनुशासनात्मक प्राधिकारी के आदेश की पुष्टि की गई थी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा व जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि पक्षकारों के बीच इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि अधिकारी पर लगाया गया जुर्माना 1999 के नियमों के अनुसार बड़ा जुर्माना था। कोर्ट ने कहा कि, हमारा मत है कि अपीलकर्ता (अधिकारी) के खिलाफ बड़े जुर्माने से दंडनीय आरोपों से संबंधित जांच कार्यवाही पूरी तरह से दोषपूर्ण और कानून की नजर में गैर-कानूनी थी। क्योंकि आरोपों के समर्थन में विभाग की ओर से कोई भी मौखिक साक्ष्य दर्ज नहीं किया गया था। पीठ ने कहा, 1999 के नियमों के नियम 7 (ण्ग) में स्पष्ट रूप से प्रावधान है कि जहां कोई सरकारी कर्मचारी आरोप से इन्कार करता है, तो जांच अधिकारी आरोप पत्र में प्रस्तावित गवाह को बुलाएगा और आरोपित लोक सेवक की उपस्थिति में उनके मौखिक साक्ष्य को रिकॉर्ड करेगा। उसे ऐसे गवाह से जिरह करने का अवसर भी दिया जाएगा।इस मामले में वाणिज्यिक कर के सहायक आयुक्त के पद पर तैनात अधिकारी को अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना करना पड़ा था।

गन्ना बेल्ट लातूर में विलासराव देशमुख के दो बेटों की परीक्षा; प्रतिष्ठा की जंग, हर वोट अहम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लातूर गन्ना बेल्ट के लिए जाना जाता है और यहां पर देशमुख परिवार की कई चीनी मिलें भी हैं। मराठवाड़ा का अहम हिस्सा होने के कारण मराठा आरक्षण राजनीति का असर यहां भी दिखाई देता है। खास बात यह है कि भाजपा के महायुति गठबंधन ने इस बार कांग्रेस की मजबूत सीटों पर सबसे ज्यादा घेरेबंदी की है।लातूर जिले की राजनीति का जिक्र आते ही सबसे बड़ा नाम पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख का सामने आता है। शहर में घूमेंगे, तो उनका नाम कई सरकारी भवनों पर भी दिखाई देगा। उनके बाद विरासत को पहले बड़े बेटे अमित देशमुख ने संभाला और फिर छोटे बेटे धीरज देशमुख भी राजनीति में आए। दोनों ही विधायक बन गए। इस बार दोनों फिर से चुनावी मैदान में हैं और कड़े मुकाबले में फंसे हुए हैं। लातूर गन्ना बेल्ट के लिए जाना जाता है और यहां पर देशमुख परिवार की कई चीनी मिलें भी हैं। मराठवाड़ा का अहम हिस्सा होने के कारण मराठा आरक्षण राजनीति का असर यहां भी दिखाई देता है। खास बात यह है कि भाजपा के महायुति गठबंधन ने इस बार कांग्रेस की मजबूत सीटों पर सबसे ज्यादा घेरेबंदी की है। इसी जिले से पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल भी आते हैं, तो पूर्व सीएम रहे संभाजी पाटिल निलंगेकर का परिवार भी यहां की राजनीति में अच्छी-खासी दखल

रखता है। इस बार भी अलग-अलग सीटों पर इन बड़े परिवारों से उम्मीदवार मैदान में हैं। लातूर जिले में कुल कुल छह सीटें हैं और पिछली बार कांग्रेस, एनसीपी और भाजपा ने दो-दो सीटें जीती थीं।लातूर सीट पर विलासराव देशमुख जीतते रहे थे। उनके बाद उनके बेटे अमित देशमुख को यह सीट विरासत में मिली। पिता के नाम और अपनी साफ सुथरी छवि के कारण अमित तीन बार जीतने के बाद चौथी बार मैदान में हैं। यह अलग बात है कि इस बार समीकरण कुछ उलझे से नजर आ रहे हैं। फिल्म स्टार रितेश देशमुख भी भाई को जिताने के लिए प्रचार में लगे हुए हैं। दरअसल, इस बार कड़े मुकाबले की वजह भाजपा की प्रत्याशी अर्चना पाटिल चाकुरकर हैं। वह कांग्रेस के दिग्गज नेता और देश के पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल की बहू हैं। स्थानीय विशेषज्ञों का कहना है कि पूर्व गृहमंत्री पाटिल ने अभी खुले मंच से तो बहू के लिए प्रचार नहीं किया है, लेकिन अंदरखाने मदद की बात खूब कही जा रही है।एक तरफ तीन बार का विधायक होने के बावजूद विकास के ज्यादा काम न होने से स्थानीय लोगों में अमित से नाराजगी है। वहीं, अर्चना सामाजिक कामों से शहर से जुड़ी रही हैं। यह बात भी चल रही है कि अमित मुंबई में रहेंगे और अर्चना विधायक होने के बाद उनके बीच। कहानी में नया पेच प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी ने भी फंसा दिया है। उनके प्रत्याशी विनोद खटके के कार्यक्रमों में भीड़ उमड़ रही है। पहले दलित अच्छी संख्या में कांग्रेस को जाता रहा है। इस बार बंटवारा हो सकता है। मराठावाड़ा के बाकी हिस्सों की तरह लातूर ग्रामीण सीट पर भी वैसे तो मराठा और ओबीसी आरक्षण जैसी लड़ाई दिखती है। कांग्रेस प्रत्याशी मराठा तो भाजपा से पिछड़े वर्ग से हैं। यहां पर गन्ना किसान भी अहम वोटर हैं। इसी सीट पर विलासराव देशमुख के नाम से चीनी मिल है और उनके विधायक बेटे धीरज देशमुख दूसरी बार मैदान में हैं। गन्ना मिल से जुड़े किसान और गन्न संघों में देशमुख की पकड़ उनकी ताकत मानी जाती है। चीनी मिल के सामने ही ऑटो में बैठे तीन लोगों से जब चुनाव के बारे में पूछा गया, तो हंसकर कहा कि ये बड़े लोग हैं, आम आदमी से कम ही मिलते हैं। एक ने माधव नाम बताते हुए कहा कि देशमुख परिवार अच्छा तो है, लेकिन ऐसा नेता चाहिए जो उनके बीच रहे।इस सीट पर भाजपा से रमेश कराड़ देशमुख के सामने हैं। कराड़ लगभग 20 साल से स्थानीय राजनीति में सक्रिय हैं। भाजपा का संगठन भी यहां काफी मजबूत है। पिछले चुनाव में गठबंधन में यह सीट भाजपा से शिवसेना के हिस्से चली गई थी। तब नाराज भाजपाइयों ने नोटा दबाया था। मतगणना में 29 हजार वोट नोटा के निकले थे। जिला पंचायत के चुनाव में भाजपा ने यहां पर अच्छा प्रदर्शन किया था।

अमेरिका में पढ़ रहे विदेशी छात्रों में भारतीय सबसे अधिक, चीन को पीछे छोड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शैक्षिक सत्र 2022-23 में विदेश से अमेरिका पहुंचने वाले छात्रों में सबसे बड़ी संख्या चीन की थी और भारत दूसरे नंबर पर था। तब 2,68,923 भारतीय छात्र अमेरिका में शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे थे। ताजा रिपोर्ट के अनुसार इस संख्या में 23 फीसदी का उछाल आया है और भारतीयों की संख्या अब तक की सर्वाधिक 3,31,602 हो गई है। अमेरिका में पढ़ रहे

विदेशी छात्रों में भारत से गए बच्चों की संख्या सबसे अधिक है। करीब 3.3 लाख भारतीय छात्र अमेरिका में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। 15 सालों में पहली बार भारत इस सूची में शीर्ष पर है। सोमवार को जारी ओपन डोर्स रिपोर्ट, 2024 में यह दावा किया गया है।शैक्षिक सत्र 2022-23 में विदेश से अमेरिका पहुंचने वाले छात्रों में सबसे बड़ी संख्या चीन की थी और भारत दूसरे नंबर पर था। तब 2,68,923 भारतीय छात्र अमेरिका में शिक्षा ग्रहण करने पहूंचे थे। ताजा रिपोर्ट के अनुसार इस संख्या में 23 फीसदी का उछाल आया है और भारतीयों की संख्या अब तक की सर्वाधिक 3,31,602 हो गई है। यह संख्या विदेश से अमेरिका पढ़ने आए कुल छात्रों का 29 फीसदी है।भारत के बाद दूसरे नंबर पर चीन है जहां के 277398 विद्यार्थी अमेरिका में पढ़ रहे हैं। तीसरे नंबर पर दक्षिण कोरिया (43,149), चौथे पर कनाडा (28,998) और पांचवें पर ताइवान (23,157) है।ओपन डोर्स रिपोर्ट को इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन ने प्रकाशित किया है। आईआईई अमेरिका में विदेशी छात्रों की संख्या के बारे में सालाना रूप से अध्ययन जारी करता है।भारत में अमेरिकी दूतावास ने इस बारे में जारी बयान में कहा, 2008-2009 के बाद पहली बार भारत अमेरिका में अपने विद्यार्थी भेजने के मामले में शीर्ष पर है। अमेरिका में पढ़ने वाले भारतीय बच्चों की यह अब तक की सर्वोच्च संख्या है। अमेरिका में सामान्य रूप से सितंबर से शैक्षिक सत्र की शुरुआत होती है और मई तक चलती है। भारत लगातार दूसरे वर्ष अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय स्नातक (परास्नातक और पीएचडी स्तर) छात्र भेजने वाला सबसे बड़ा स्रोत बना रहा। इस स्तर की उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका पहुंचे भारतीय स्नातकों की संख्या 19 प्रतिशत बढ़कर 1,96,567 पहुंच गई है। अंतर स्नातक छात्रों की संख्या में 13 फीसदी बढ़ोतरी हुई और यह 36,053 हो गई जबकि गैर-डिग्री छात्रों की संख्या 28 प्रतिशत घटकर 1,426 रह गई है।

चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे से आवागमन शुरू, रूस पहुंचने में लगेगा दो-तीन सप्ताह कम समय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को कहा कि

व्लादिवोस्तोक और चेन्नई के बीच पूर्वी समुद्री गलियारा चालू हो गया है। इससे दोनों देशों के समुद्री संबंधों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। यह कॉरिडोर लगभग 5,600 समुद्री मील लंबा है। भारत और रूस के बीच चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा चालू हो गया है। इस गलियारे के जरिये कच्चे तेल, धातु और कपड़ा ले जाने वाले कंटेनर जहाजों का भारतीय बंदरगाहों पर आना शुरू हो गया है। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को कहा कि व्लादिवोस्तोक और चेन्नई के बीच पूर्वी समुद्री गलियारा चालू हो गया है। इससे दोनों देशों के समुद्री संबंधों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। यह कॉरिडोर लगभग 5,600 समुद्री मील लंबा है। अनुमान के मुताबिक, इस गलियारे से भारत और रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र के बंदरगाहों के बीच माल परिवहन में लगने वाला समय 16 दिनों तक कम हो जाएगा। अभी भारत से रूस के इस क्षेत्र तक मालवाहक जहाजों के पहुंचने में 40 दिन का समय लगता है, जो अब 24 दिन रह जाएगा। मुंबई और रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के बीच वर्तमान मार्ग की लंबाई 8,675 समुद्री मील है और इसे तय करने में लगभग 35 से 40 दिन का समय लगता है।बता दें कि लगभग 38 महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चेन्नई और रूस के बीच समुद्री परिवहन की अहमियत को रेखांकित किया था। उन्होंने सितंबर, 2021 में पूर्वी आर्थिक मंच को संबोधित करते समय उत्तर पश्चिमी साइबेरिया में स्थित यमल से रूसी शहर व्लादिवोस्तोक और इसके आगे चेन्नई तक आने के लिए समुद्री रास्ते की अहमियत भी बताई थी। बकौल पीएम मोदी, भारत एक ऊर्जा और व्यापार पुल की परिकल्पना करता है। इसके तहत चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा तैयार किया जा रहा है। यह परियोजना अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण गलियारे के साथ मिलकर भारत-रूस को एक-दूसरे के और करीब लाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के संजय मूर्ति होंगे नए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। संजय मूर्ति मौजूदा समय में शिक्षा मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग में सचिव हैं। वह जल्द ही कार्यभार ग्रहण करेंगे। वह 1989

बैच के हिमाचल प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। केंद्र सरकार ने आईएएस के संजय मूर्ति को नया नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) नियुक्त किया है। के संजय मूर्ति मौजूदा समय में शिक्षा मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग में सचिव हैं। वह जल्द ही कार्यभार ग्रहण करेंगे। वह 1989 बैच के हिमाचल प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उच्च शिक्षा विभाग में सचिव के तौर पर आईएएस के संजय मूर्ति उच्च शिक्षा से जुड़ी नीतियों की देखरेख और सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर काम कर रहे थे। इसके अलावा वह देशभर में शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिणिक संस्थानों को प्रेरित करने लिए जिम्मेदार थे। के संजय मूर्ति के पास इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश कैडर में 13 साल तक काम किया है। इसमें वह तीन जिलों में उपायुक्त रहे। 2002-2007 के दौरान उन्होंने पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और संचार एवं आईटी मंत्रालय में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर काम किया। इसके बाद उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्मार्ट गवर्नमेंट (एनआईएसजी) हैदराबाद में तीन साल तक सेवा दी।

स्वरूपरानी मेडिकल कालेज, प्रयागराज में अग्निशमन यंत्रों का चेकिंग अभियान चलाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। स्वरूपरानी मेडिकल कालेज, प्रयागराज में झांसी मेडिकल कॉलेज में दुखद घटना को देखते हुए एक चेकिंग अभियान चलाया गया अग्निशमन यंत्रों में फायर हाईडेंट, सी ओ टू, ए बी सी फायर एक्टिगुशर, इलेक्ट्रिक, डीजल, जाकी पम्प को चलवाकर चेक किया गया निकास के रास्ते और कोरिडोर, टैरेस टैंक, अंडर ग्राउंड टैक को चेक किया गया इसके पश्चात मोकड्रिल कराकर उपकरणों की कार्यशीलता परखी गई और हॉस्पिटल के सुरक्षा कर्मी और सुरक्षा गार्डों को प्रशिक्षण दिया गया मौके पर डॉ आर के पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन में इएध् राजेश कुमार और कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

बिना आचमन किए गंगा में नहीं रखते थे पैर, बीएचयू के गंगा वैज्ञानिक ने साझा किए अनुभव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। बीएचयू के चांसलर गिरिधर मालवीय के निधन पर बीएचयू के गंगा वैज्ञानिक प्रो. बीडी त्रिपाठी और डॉ. विश्वनाथ पांडेय ने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि गिरिधर मालवीय धार्मिक तौर पर गंगा सफाई में लगे रहे। बिना आचमन किए कभी गंगा में पैर नहीं रखते थे। राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण पूर्व जस्टिस गिरिधर मालवीय की ही देन है। वे पहले जज थे, जिन्होंने गंगा के लिए बड़ा कदम उठाया। धार्मिक तौर पर गंगा सफाई में लगे रहे। बिना आचमन किए कभी गंगा में पैर नहीं रखते थे। सोमवार को गिरिधर मालवीय के निधन के बाद ये बातें बीएचयू के नदी वैज्ञानिक प्रो. बीडी त्रिपाठी ने अमर उजाला संवाददाता से साझा कीं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 462 जोड़ों का विवाह सकुशल संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उद्यान मंत्री ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में शामिल होकर वैवाहिक जोड़े को दिया आशीर्वाद जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के कुशल निर्देशन में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन गन्ना कांटा मैदान सातंव व मिनी स्टेडियम सलोन में सकुशल संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मा0 उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह गन्ना कांटा मैदान में सम्मिलत रहे। कार्यक्रम में कुल 462 जोड़ों का विवाह हुआ। उद्यान मंत्री ने गन्ना कांटा मैदान में सम्मिलित होकर नव वैवाहिक जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने नव वधुओं को निर्धारित आभूषण भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी की तरफ से मुझे इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ मैं सभी वर वधुओं और उनके परिवार जनों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि गन्ना कांटा मैदान कार्यक्रम में हरचंदपुर 34,सातंव 21,खीरो 10,लालगंज 8,सरेनी 4,बछरांवा 66,शिवगढ़ 59,महराजगंज 50, न0प0 बछरांवा 3,न0प0 महाराजगंज 2,न0प0 शिवगढ़ 17 सहित कुल 274 जोड़े का विवाह हुआ। इसी प्रकार मिनी स्टेडियम, सलोन में सलोन 39 ,न0प0सलोन 7,न0प0 नसीराबाद 2,न0प0 परशदेपुर 4, छतोह 49 डीह 87 सहित कुल 188 जोड़े का विवाह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अपर जिला अधिकारी वित्तीय एवं राजस्व अमृता सिंह,अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, एसडीएम लालगंज नवदीप शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ में श्रद्धालुओं को आने जाने के लिए मिलेगी विशेष सुविधा, 7 हजार बसों के अलावा चलेंगी 550 शटल बसें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ/प्रयागराज। संगम नगरी में जनवरी 2025 में गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी के संगम तट पर विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ के रूप में होने वाला है।महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारी चल रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद महाकुंभ की तैयारियों की कमान अपने हाथ में ली हुई है। सीएम योगी के निर्देशन में उप्र परिवहन निगम विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ में 7 हजार बसों को संचालित करेगा।परिवहन निगम यूपी के सभी महत्वपूर्ण स्थानों से सुगम,सस्ती औरआरामदायक सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। महाकुंभ में पूर्वांचल से अधिक संख्या में तीर्थयात्री सड़क मार्ग से आते हैं।पूर्वांचल के छोटे-छोटे कस्बों से महाकुंभ में बसों के संचालन की योजना परिवहन निगम ने तैयार की है। महिला और वृद्ध तीर्थयात्रियों को विशेष सुविधा प्रदान करने की योजना बनाई गयी है। एमडी परिवहन निगम मासूम अली सरवर ने बताया कि महाकुंभ मेला 2025 के दौरान मुख्य स्नान 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच पड़ रहे,जिसमें मौनी अमावस्या का शाही स्नान 29 जनवरी और बसंत पंचमी का शाही स्नान 3 फरवरी, को है। महाकुंभ के दौरान लगभग 6800 परिवहन बसें और लगभग 200 वातानुकूलित बसों का संचालन किये जाने की योजना है। एमडी मासूम अली सरवर ने बताया कि प्रथम चरण में 12 जनवरी से 23 जनवरी तक,द्वितीय चरण में 24 जनवरी से 7 फरवरी तक और तीसरे चरण में 8 फरवरी से 27 फरवरी तक तीन चरणों में महाकुंभ मेले में संचालन को बांटा गया है। निगम के कुल 19 क्षेत्रों से लगभग 165 मार्गों पर निगम की बसों का संचालन किया जाएगा। एमडी मासूम अली सरवर ने बताया कि बसों के अतिरिक्त 550 शटल बसें विभिन्न स्थाई और अस्थाई बस स्टेशनों और विभिन्न मार्गों पर निर्धारित वाहन पार्किंग स्थलों से संगम तट के निकट स्थित भारद्वाज पार्क और भारत स्काउट गाइड कालेज बैंक रोड तक और लेप्रोसी बस स्टेशन और अंधावा बस स्टेशन तक संचालित किये जाने की योजना है। एमडी मासूम अली सरवर ने बताया कि मुख्य स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ बढ़ने के कारण शास्त्रीपुल, फाफामऊ पुल और यमुना पुल यातायात हेतु प्रतिबंधित रहने की स्थिति में शहर के बाहर कुल 8 अस्थाई बस स्टेशन गठित किये जायेंगे,जिसमें झूसी बस स्टेशन,दुर्जनपुर बस स्टेशन, सरस्वतीगेट बस स्टेशन,नेहरू पार्क बस स्टेशन,बेली कछार बस स्टेशन,बेला कछार बस स्टेशन,सरस्वती हाइटेक सिटी मेनू और लेप्रोसी मिशन बस स्टेशन हैं। एमडी ने बताया कि झूसी बस स्टेशन से दोहरी घाट, बड़हलगंज,गोला,उरूवा,खजनी,सीकरीगंज,गोरखपुर मार्ग, आजमगढ़-बलिया-मऊ व सम्बद्ध मार्ग के लिए बसों का संचालन किया जायेगा।दुर्जनपुर बस स्टेशन का उपयोग झूसी बस स्टेशन की बसों का संचालन मेला प्रशासन द्वारा रोके जाने पर किया जायेगा। एमडी ने बताया कि इसी प्रकार सरस्वती गेट बस स्टेशन से बदलापुर,शाहगंज,टांडा और सम्बद्ध मार्ग एवं वाराणसी एवं संबद्ध मार्ग के लिए बसों का संचालन किया जायेगा,नेहरू पार्क बस स्टेशन से कानपुर और कौशाम्बी को संबद्ध मार्ग के लिए, बेला कछार बस स्टेशन से रायबरेली लखनऊ व संबद्ध मार्ग एवं अयोध्या,गोण्डा,बस्ती,बहराइच व संबद्ध मार्ग के लिए, सरस्वती हाइटेक सिटी नैनी से विन्ध्यांचल, मिर्जापुर, शक्तिनगर व संबद्ध मार्ग के लिए, लैप्रोसी मिशन बस स्टेशन से बांदा-चित्रकूट व संबद्ध मार्ग एवं रीवा-सीधी व संबद्ध मार्ग के लिए संचालन किया जायेगा। एमडी ने बताया कि नेहरू पार्क बस स्टेशन पर बसों का संचालन मेला प्रशासन द्वारा रोके जाने पर बसों का संचालन बेली कछार बस स्टेशन से किया जायेगा।

प्रदेश आस/पास

भारत

फ्लैट हस्तांतरण के लिए मांगे थे 50 हजार रुपये, पहली किस्त लेते ही दबोचा गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी जिले में मंगलवार को एंटी करप्शन की टीम वाराणसी विकास प्राधिकरण में 5000 रुपये घूस लेते संपत्ति विभाग में कार्यरत बाबू रवि शंकर को एंटी करप्शन ने पकड़ा हैं। टीम द्वारा उसे पड़कर कैंट थाने लाया गया, जहां विधिक कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि शास्त्री नगर कॉलोनी सिगरा में फ्लैट हस्तांतरण के लिए पिछले चार साल से अधिवक्ता शिवकुमार चक्कर लगा रहे थे। जिसमें कर्मचारियों ने 50,000 रुपये की मांग की थी। इसी क्रम में मंगलवार को पहली किस्त के तहत 5000 रुपये दिया गया। पैसा लेते ही टीम ने उसे रवि शंकर को दबोच लिया।

को बड़ी सफलता हाथ लगी। विकास प्रधिकरण के एक कर्मचारी को पांच हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ दबोच लिया गया।

दो दरोगा को बैठा कर बंद किया पोस्टमार्टम हाउस का गेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। डुबकियां बाजार में सड़क हादसे में अधिवक्ता के पुत्र की मौत पर साथी अधिवक्ताओं ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि आरोपी चालक को पुलिस गिरफ्तार करे। वाराणसी जिले के डुबकियां बाजार स्थित पेट्रोल पंप के समीप सड़क हादसे में जान गंवाने वाले दो शिक्षकों में से हरिओम सिंह के पिता केसरी सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। हादसे के बाद आरोपी ट्रेलर चालक की गिरफ्तारी न होने से नाराज केसरी सिंह के साथी अधिवक्ताओं ने सोमवार को चौबेपुर थाने के दो दरोगा को पोस्टमार्टम हाउस पर बैठा लिया। इसके बाद सभी पोस्टमार्टम हाउस का गेट बंद कर पुलिस-प्रशासन विरोधी नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन करने लगे। सूचना पाकर पहुंचे एसीपी सारनाथ ने आश्वस्त किया कि आरोपी 24 घंटे में पकड़ा जाएगा। तब जाकर लगभग डेढ़ घंटे बाद अधिवक्ता शांत हुए और हरिओम सिंह का शव अंत्येष्टि के लिए ले गए।

जमीन विवाद में भाई-भाभी पर चाकू से हमला, लगातार किए वार; आंत बाहर निकली; भाई की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सगे भाइयों में जमीन के विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हुआ। इस दौरान एक भाई ने अपने भाई- भाभी पर चाकू से बेरहमी से हमला किया। जिसमें भाई की जान चली गई। वहीं भाभी की आंतें बाहर आ गई। गाजीपुर जिले के सादात थाना क्षेत्र के भीमापार स्थित हुसैनपुर गांव में पुराने जमीनी विवाद को लेकर दो सगे भाईयों में मारपीट और चाकूबाजी हुई। जिसमें एक भाई की मौत हो गई और उसकी पत्नी भी चाकू लगने से बुरी तरह घायल हो गई। उसके पेट की आंत बाहर निकल गई है, जिसे वाराणसी रेफर किया गया है। हालत नाजुक बताई जा रही है। विवाद पम्पिंग सेट को चालू करने को लेकर हुआ था। गांव निवासी 52 वर्षीय राजबली यादव का जमीन को लेकर अपने सगे छोटे भाई कैलाश यादव से काफी समय से विवाद चला आ रहा था, जिसमें दोनों पक्ष एक दूसरे को दुश्मन समझते थे। जमीन के विवाद को लेकर पूर्व में एक बार सुलह भी हो चुका है। मंगलवार की सुबह 8 बजे राजबली खेत में पानी डालने के लिए पम्पिंग सेट चालू करने जा रहा था, तभी अचानक कैलाश आया और राजबली से उलझने लगा। मना करने पर मारपीट पर आमादा हो गया। जिसके बाद बीच बचाव करने के लिए राजबली की पत्नी 42 वर्षीय चंद्रकला देवी पहुंची। उसी समय कैलाश ने धारदार चाकू निकाला और राजबली के पेट, फेफड़े व पीठ पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। पति को बचाने आई चंद्रकला के पेट में भी ताबड़तोड़ वार किया। कैलाश इतनी नृशंसता से हमला कर रहा था, जिससे चंद्रकला के पेट की आंतें बाहर आ गईं। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। घटना के बाद दोनों घायलों को किसी तरह सैदपुर सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने राजबली को मृत घोषित कर दिया, वहीं चंद्रकला को किसी उपचार के लिए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। इधर, राजबली की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। तीन भाइयों में बीच का मृतक एलआईसी एजेंट का काम करके परिवार का भरण पोषण करता था। वह अपने पीछे दो पुत्र पीयूष (17) व आयुष (15) को छोड़ गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

बनारस से गंगा में चलेगी क्रूज, 320 बस और 25 ट्रेनों से महाकुंभ में जाएंगे श्रद्धालु

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। प्रयागराज में महाकुंभ को लेकर काशी में तैयारियां शुरू हो गई हैं। वाराणसी से महाकुंभ प्रस्थान करने वाले श्रद्धालुओं का सफर आसान होगा। रेल, जल और सड़क के मार्ग से महाकुंभ से काशी जुड़ेगी। महाकुंभ को लेकर काशी में भी तैयारियां चल रहीं हैं। काशी में पलट प्रवाह थामने से लेकर महाकुंभ के लिए प्रस्थान करने वालों को रेल, सड़क और जल मार्ग की भी सुविधाएं मिलेंगी। महाकुंभ के लिए कैंट रोडवेज बस स्टेशन से 320 बसें चलाई जाएंगी। हर पांच मिनट के अंतराल पर बसें उपलब्ध होंगी। बनारस स्टेशन, सिटी और कैंट से मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। नमो घाट और रविदास घाट से संगम तक गंगा में क्रूज और हाइड्रोजन जलयान चलाए जाने की भी तैयारियां चल रही हैं। दिसंबर माह में तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। रेलवे स्टेशनों और रोडवेज बस स्टेशन पर लगे एलईडी स्क्रीन में महाकुंभ का प्रसारण भी किया जाएगा।उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक परशुराम पांडेय ने बताया कि कैंट डिपो की 52, काशी डिपो की 55, ग्रामीण डिपो की 33, चंदौली की 25, सोनभद्र की 32, विंध्यनगर डिपो की 28, गाजीपुर की 50 और जौनपुर डिपो की 55 बसें शामिल हैं। हर पांच मिनट के अंतराल पर श्रद्धालुओं को बसें मिलेंगी। दबाव बढ़ने पर बसों की संख्या और बढ़ाई जाएंगी। यह बसें दिसंबर के अंतिम सप्ताह से रूट पर उतरना शुरू हो जाएंगी। इलेक्ट्रिक बसें भी चलाई जाएंगी। संभवतः 25 ई-बसें चलाई जाएंगी। हालांकि इस पर अभी अंतिम मुहर नहीं लग सकी है। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन पूर्वोत्तर रेलवे के बनारस, सिटी समेत अन्य स्टेशनों से किया जाएगा। बनारस स्टेशन पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए होल्ड एरिया भी बनाया जाएगा। बनारस स्टेशन से ही अधिकतर ट्रेनों का संचालन होगा। 25 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन संभव है। उधर, कैंट स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया में तीन हजार स्क्वायर फीट में जर्मन हैंगर विधि से शेड बनाया जाएगा। लगभग पांच से छह हजार यात्रियों को यहां ठहराने का प्रबंध होगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमिश्नरेट की अतिरिक्त फोर्स तैनात होगी। महाकुंभ में तीर्थ यात्री पहली बार जलमार्ग से भी आवाजाही कर सकेंगे। हाइड्रोजन जलयान का संचालन नमो घाट, रविदास घाट से चुनार, विंध्याचल होते हुए प्रयागराज तक किया जाएगा। 28 मीटर लंबे और 5.8 मीटर चौड़े जलयान पर एक बार में 50-55 लोग सवार हो सकेंगे। पर्यटन विभाग, नगर निगम और जिला प्रशासन की ओर से संचालन को लेकर कवायद की जा रही है। क्रूज का भी संचालन होगा। जल परिवहन अधिकारियों के अनुसार दिसंबर तक सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी। किराया और समय को लेकर मंथन चल रहा है।

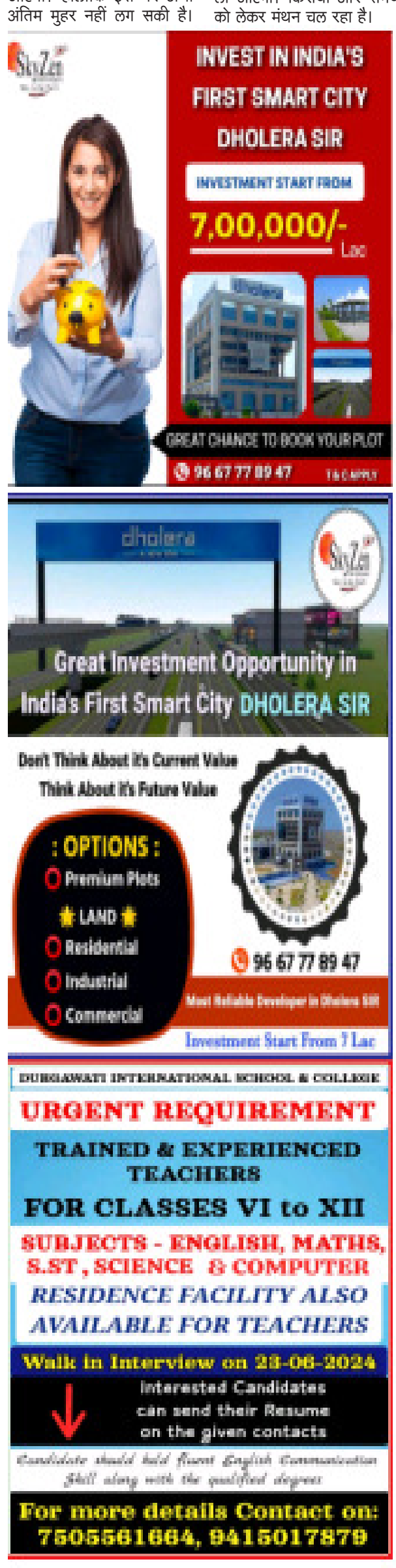

मिर्ज़ापुर

सोनभद्र

यूनिवर्सल सोनांचल फार्मर एसोसिएशन की मासिक बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विकासखंड करमा के कर्नवाह कैम्प कार्यालय पर एफपीओ की द्वितीय वर्ष की प्रथम मासिक बैठक सकुशल सम्पन्न कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपाल सिंह वैद्य एवं संचालन ई. प्रकाश पाण्डेय द्वारा किया गया। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किये गए। तेजस्वी संगठन न्यास व यूनिवर्सल सोनांचळ फार्मर एसोसिएशन के सहयोग से संचलित तेजस्वी किसान मार्ट द्वारा अलग अलग प्रदेशो में स्टोर की स्थापना एवं कृषि स्नातक छात्रों को प्रशिक्षण व रोज़गार से जोड़ने एवं जनपद में टमाटर उत्पादक किसानों के सहयोग हेतु एफ आई अध्यक्ष संतोष कुमार पटेल द्वारा टमाटर के किसानों को उचित मूल्य दिलाने हेतु टमाटर एफ आई जी का गठन किया गया गया एवं मुस्तकीम अहमद को एफ आई प्रमुख व विक्रम सिंह को सह प्रमुख मनोनीत किया गया। जिनके द्वारा एफपीओ से जुड़े किसानों को लाभ प्राप्त होगा राजेश मिश्रा प्रबंधक द्वारा एफपीओ के सदस्यों के धान खरीद बिक्री हेतु अभियान चला किसानों को उचित मूल्य दिलाने की बात कही एवं मिलरों से वार्ता कर किसानों का धान ख़रीदवाने का आश्वासन भी दिया गया।मंकर्णिका देवी महासचिव द्वारा जनपद में संचालित महिला स्वयं सहायता समूह को एफपीओ के माध्यम से मार्केटि लिंकेज व जागरूक करने की बात कही गई। अभय कांत दुबे निर्देशक द्वारा पगिया में बहुत जल्द यू.एस.एफ.ए. एफपीओ द्वारा टमाटर खरीद केंद्र का शुभारंभ का प्रस्ताव दिया गया ई. प्रकाश पाण्डेय द्वारा बताया गया कि तेजस्वी किसान मार्ट द्वारा 12 प्रदेश में निगरानी समिति का गठन किया जा चुका बहुत जल्द अन्य बचे हुये प्रदेशो के किसान उत्पादक कम्पनीयो को निगरानी समिति का सदस्य बना कर एफपीसी से एफपीसी का व्यापार प्रारम्भ किया जायेगा। तेजस्वी किसान मार्ट द्वारा अपना प्रथम स्टोर बिहार प्रदेश में सुभारम्भ करने की बात कही और प्रस्ताव पारित किया गया। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि जनपद के किसानों व किसान उत्पादक कपनीयो को व्यापार से जोड़ने का यूनिवर्सल सोनांचळ फार्मर एसोसिएशन द्वारा अभियान चला कर किया जा रहा है।

जनता दर्शन में आए फरियादियों की एसपी ने सुनी समस्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जन शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक

दिशा-निर्देश- समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थानों पर सुनी जा रही जन शिकायतें- प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में मंगलवार को अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/ शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/ महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/ शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा रानी लक्ष्मीबाई जयंती के अवसर पर संगोष्ठी एवं सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।अभाविप सोनभद्र जिला के द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई जयंती के अवसर पर स्त्री शक्ति दिवस के रूप में मनाया गया इस दौरान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई जी की जीवनी पर एक संगोष्ठी का आयोजन आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज रॉबर्ट्सगंज में किया गया इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला थाना अध्यक्ष श्रीमती सविता सरोज विशिष्ट अतिथि विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संतोष प्रवासी विभाग संयोजक शशांक मिश्रा एवं विद्यालय की शिक्षिका डॉ मंजू सिंह मंच पर उपस्थित रही कार्यक्रम का शुभारंभ रानी लक्ष्मीबाई जी के चित्र पर पुष्पांजलि कर किया गया। जहां महिला थाना अध्यक्ष श्रीमती सविता सरोज ने बताया कि वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई एक महान योद्धा थी जो कि अदम्य साहस और वीरता का प्रतीक है उनके जीवन से हम सभी को बहुत कुछ सीखने को मिलता है जिस प्रकार से उन्होंने सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की रक्षा किया और अपने प्राणों का बलिदान दिया यह हम सभी के लिए सदैव स्मरणीय है उनके द्वारा किए गए कार्यों के फल स्वरुप आज भारत स्वतंत्र है। वहीं उन्होंने छात्राओं को उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी और उनसे चर्चा पर चर्चा भी किया एवं समस्त छात्राओं को एबीवीपी द्वारा निःशुल्क सेनेटरी पैड का वितरण भी किया। और एबीवीपी के इस कार्यक्रम की सराहना की। विभाग संयोजक शशांक मिश्रा ने बताया कि इस द्वारा वर्ष भर कॉलेज कैंपस में रचनात्मक एवं संगठनात्मक कार्य किए जाते हैं,अभाविप सदैव छात्र हितों के लिए कार्य करता है जो कि समस्याओं नहीं बल्कि उनके समाधान की दिशा में कार्य करता हैं। अभाविप द्वारा छात्राओं हेतु मिशन साहसी कार्यक्रम है जो कि छात्राओं को निशुल्क आत्मरक्षा के गुरु सीखाने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसकी शुरुआत एबीवीपी ने 2016 में की और जिससे देशभर की छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक प्रांत सोशल मीडिया संयोजक अनमोल सोनी कार्यक्रम के सहसंयोजक प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राहुल जालान एवं पूर्व नगर मंत्री रॉबर्ट्सगंज प्रिंस सिंह और विद्यालय की समस्त छात्राएं उपस्थित रहे।

ट्रक मालिकों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन, सात साल पुराने वाहनों को कोल परिवहन से रोकने पर विरोध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र कोयला ट्रक मालिकों का सोनभद्र के कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन

परिवहन में लगे सात साल से अधिक पुराने वाहनों को हटाने के फैसले पर ऊर्जांचल ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध जताया। रेणुकूट-अनपरा के बीच लगने वाले जाम से निजात के लिए ओवरलोड राख परिवहन पर नियंत्रण लगाने पर जोर दिया। कहा आगे विरोध और भी कड़ा होगा। देखने को मिला। उनका कहना था कि रेणुकूट-अनपरा मार्ग पर आए दिन लग रहे जाम से निजात के लिए गत 26 अक्तूबर को एनटीपीसी शक्तिनगर के परिसर में पुलिस-प्रशासन व परियोजना के अधिकारियों ने बैठक की थी। इसके बाद जाम का कारण पुराने वाहनों को बताते हुए गत 30 सितंबर को सात वर्ष की अवधि पूरा कर चुके ट्रक-ट्रेलर से कोयला व राख परिवहन न कराने का निर्देश जारी किया था। यह निर्णय पूरी तरह अव्यवहारिक है। इससे सैकड़ों ट्रक मालिकों का व्यवसाय चौपट हो जाएगा।जाम की मुख्य वजह पावर परियोजनाओं से राख का ओवरलोड परिवहन और सड़क मार्ग का चौड़ीकरण न करना है। बावजूद मूल समस्या की अनदेखी कर ट्रक मालिकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने इस फैसले को वापस लेने की मांग की। कहा कि ऐसा न होने पर आंदोलन के लिए विवश होंगे। डीएम बद्रीनाथ सिंह ने कहा कि प्रशासन की मंशा आम लोगों को सहूलियत देना है। उन्होंने बताया कि परियोजना अधिकारियों से वार्ता के बाद ही यह निर्णय लिया है। जल्द ही इस संबंध में दोबारा बैठक होगी। इसमें इस मुद्दे को रखा जाएगा। हर संभव समाधान का प्रयास किया।

विराट रुद्र महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने की यज्ञ मंडप की परिक्रमा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल रहे नौ दिवसीय विराट रुद्र महायज्ञ में सोमवार को श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारे से समूचा यज्ञ स्थल गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले भंडारे में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक/ संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि भिखारी बाबा आश्रम परिसर में नौ दिवसीय विराट रुद्र महायज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। विराट रुद्र महायज्ञ के दूसरे दिन सोमवार को श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। यज्ञाचार्य राधेकृष्ण तिवारी, आचार्य योगेश तिवारी व रेवती रमण तिवारी के जरिए यजमान रामा तिवारी, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्या, परमानन्द मौर्य, कलावती चौबे, विमला देवी को वैदिक मंत्रोच्चार से पूजन-अर्चन करवा कर दूसरे दिन का विराट रुद्र महायज्ञ कार्यक्रम आरती के साथ संपन्न कराया गया। प्रतिदिन चलने वाले भंडारा में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर कालो देवी, संगीता देवी, शिल्पा देवी, कृष्णावती, शुभराम महाराज,अभय कुमार, मुन्ना बाबा, हरिनंद बाबा, राजेंद्र महाराज, बलिराम दास बाबा, बग्गड़ बाबा, रमाकांत बाबा,भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, मनोज केशरी, हीरा आदि लोग मौजूद रहे।

जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से दी गई आहुति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल

रहे नौ दिवसीय विराट रुद्र महायज्ञ में मंगलवार को तीसरे दिन जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारे से समूचा यज्ञ स्थल गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले भंडारे में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम के आयोजक/ संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि विराट रुद्र महायज्ञ के तीसरे दिन मंगलवार को जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई, ताकि वातावरण शुद्ध रहे। श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारे से समूचा स्थल गुंजायमान हो गया। यज्ञाचार्य राधेकृष्ण तिवारी, आचार्य योगेश तिवारी व रेवती रमण तिवारी के जरिए यजमान डॉक्टर प्रशांत, गुलाबी देवी, रामा तिवारी, कलावती चौबे, कृष्णावती, विमला देवी, जयराम मौर्या, विनीता गुप्ता, राजकुमार शुक्ला, श्रीपति यादव, कमला देवी आदि को वैदिक मंत्रोच्चार से पूजन-अर्चन करवा कर तीसरे दिन का विराट रुद्र महायज्ञ कार्यक्रम हवन एवं आरती के साथ संपन्न कराया गया। प्रतिदिन चलने वाले भंडारा में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर, शुभराम महाराज, मुन्ना बाबा, राजेंद्र महाराज, बलिराम दास बाबा, बग्गड़ बाबा,श्रीपति बाबा, गोपाल बाबा, सुरेश बाबा आदि लोग मौजूद रहे।

ससुराल में युवक की मौत, अंतिम संस्कार पर विवाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

महुली। विंढमगंज थाना क्षेत्र के महुली गांव में रविवार को एक युवक

की मौत हो गई। वह काफी समय से अपनी ससुराल में ही रह रहा था। उसके अंतिम संस्कार को लेकर पत्नी और भाई के बीच विवाद के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रेणुकूट निवासी सुनील कुमार (30) का विवाह महुली गांव में हुआ था। शादी के बाद से वह पत्नी के साथ ससुराल में रह रहा था। रविवार को उसकी मौत हो गई। सूचना पर भाई राकेश कुमार सहित अन्य परिजन महुली पहुंचे, तब तक उसके अंतिम संस्कार की तैयारी पूरी की जा चुकी थी। इस पर आपत्ति जताते हुए भाई राकेश ने शव का अंतिम संस्कार पैतृक घर रेणुकूट में करने की बात कही। इसे लेकर पत्नी व भाई में विवाद शुरू हो गया। सूचना पर पहुंचे विंढमगंज थाना प्रभारी प्रमोद कुमार यादव ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी दुद्धी भेज दिया। मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बढ़ने लगी ठंड, तेज हुई गर्म कपड़ों की खरीदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनांचल में ठंड ने दस्तक दे दी है। सुबह-शाम ठंड का एहसास हो रहा है। इससे अब बाजार में सजे गर्म कपड़ों की दुकानों पर गर्म कपड़ों की खरीदारी के लिए लोग पहुंचने लगे हैं। कपड़े दुकानों पर मंगा रहे हैं। महिलाएं अपने व बच्चों के लिए भी कपड़ों का इंतजाम करने में जुटी हैं। उन्होंने बताया कि इस बार गर्म कपड़ों के दाम में कोई अंतर नहीं है। पुराने रेट पर ही ग्राहकों को कपड़े बेचे जा रहे हैं।

रविवार को रॉबर्ट्सगंज नगर में दुकानों पर गर्म कपड़ों की खरीदारी करते हुए लोगों को देखा गया। रजाई-गद्दे की भराई कराने में भी लोग जुट गए हैं। रॉबर्ट्सगंज के मेन मार्केट स्थित दुकानों में ठंड को देखते हुए गर्म कपड़े मंगा लिए गए हैं। दुकानदार नरेंद्र गर्ग, संदीप जैन ने बताया कि शादी विवाह का सीजन भी शुरू हो गया है। ठंड के दस्तक देने के लोग शादी विवाह के लिए भी गर्म कपड़ों की खरीदारी करने लगे हैं। लोग जैकेट, जर्सी, शॉल आदि गर्म कपड़ों की खरीदारी कर रहे हैं। इसके साथ ही रजाई व गद्दे भी खरीदे जा रहे हैं। मांग को देखते हुए दुकानदार नए फैशन के गर्म ब्रांडेड कंपनियों के स्वेटर 500 से दो हजार रुपये में और जैकेट एक हजार से लेकर तीन हजार में बिक रहे हैं। रॉबर्ट्सगंज नगर के साथ ही ग्रामीण इलाकों में सड़क के किनारे रजाई गद्दे की भराई का काम भी शुरू हो गया है। लोगों ने रजाई-गद्दा खरीदना शुरू कर दिया है। कुछ लोग रजाई-गद्दा ऑर्डर देकर बनवा रहे हैं। दुकानदार शमीम, अनीश ने बताया कि एक रजाई में कम से कम चार से पांच किलो रुई की आवश्यकता होती है। बाजार में अलग-अलग दाम में रुई उपलब्ध है। 800 रुपये से रजाई की कीमत शुरू है।

गुनगुना पानी पीएं, ठंडे पदार्थों से बनाएं दूरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। तेजी से बदलता मौसम सेहत को प्रभावित कर रहा है।

वायरल बुखार के मरीजों की संख्या कम हुई है तो अब सांस के रोगियों और आंखों में जलन की समस्या से पीड़ितों की भीड़ बढ़ने लगी है। जिला अस्पताल में इन दिनों आने वाले ज्यादातर मरीज इसी से संबंधित हैं। जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना औसतन 800 से अधिक मरीजों का पंजीकरण होता है। पिछले सप्ताह तक यह आंकड़ा 1000 के पार पहुंच रहा था। यहां आने वाले ज्यादातर मरीज वायरल फ्लू, सर्दी-खांसी से पीड़ित थे। अब इस तरह के मरीजों में थोड़ी कमी आई है, लेकिन सांस की बीमारी से जुड़े मरीज बढ़ने लगे हैं। इसके अलावा खांसी और गले में खराश के मरीज भी आ रहे हैं। डॉक्टर इसे बढ़ती सर्दी का असर बता रहे हैं। उनका कहना है कि दिन में गर्मी और रात में तापमान तेजी से लुढ़कने के कारण सर्दी का अहसास हो रहा है। अचानक से बदलाव के अनुकूल न ढलने के लोग बीमार पड़ रहे हैं। इससे बचने के लिए खान-पान में सावधानी बरतनी चाहिए। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी. सागर ने बताया कि नियमित गुनगुने पानी का सेवन फायदेमंद रहेगा। इसके अलावा सुबह की धूप भी जरूर लें। वातावरण में इन दिनों धुंध बढ़ी है। इस सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों को सतर्कता बरतने की जरूरत है। मास्क लगाकर घर से निकलें। प्रदूषण से बचें, ठंडी चीजों का इस्तेमाल न करें और गर्म पेय पदार्थ सूप, चाय आदि लेते रहें। बताया कि ओपीडी में आने वाले मरीजों को परामर्श एवं दवा दी जा रही है।

इंटर कॉलेज में लड़कियों के बाथरूम के सामने मिला कैमरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री ब्रह्मदेव चौधरी इंटर कॉलेज में लड़कियों के बाथरूम के सामने कैमरा पकड़ा गया है। इसकी जानकारी होने पर छात्राओं और अभिभावकों ने हंगामा किया। स्कूल के बगल में रहने वाले एक किशोर ने कैमरा लगाकर वाईफाई के जरिये मोबाइल फोन से कनेक्ट किया था। छात्राओं और अभिभावकों ने आरोपी की पिटाई की। पुलिस ने आरोपी और उसके पिता को हिरासत में ले लिया है। उस पर केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित इंटर कॉलेज में पहली कक्षा से 12वीं तक की पढ़ाई होती है। इसमें करीब दो सौ छात्राएं हैं। शनिवार को छात्राएं स्कूल के शौचालय की ओर गईं तो वहां उन्हें सामने की दीवार पर छोटा कैमरा लगा दिखा। शौचालय की दीवार पड़ोस में ही रहने वाले एक किशोर के घर से सटी है। छात्राओं का आरोप है कि इसी किशोर ने ही शौचालय की दीवार में कैमरा लगा दिया। जब उन्होंने हंगामा किया तो कैमरा हटा दिया गया। इसकी सूचना प्रधानाचार्य और पुलिस को दी गई। छात्राओं का आरोप है कि किशोर ने कैमरे के माध्यम से उनके वीडियो और फोटो लिए हैं। पुलिस के पहुंचने पर उसने डिलिट कर दिया। रॉबर्ट्सगंज कोतवाल सत्येंद्र राय ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। इस मामले में एएसपी कालू सिंह ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले किशोर ने कैमरा लगाया था। कैमरे को उसने मोबाइल से कनेक्ट किया था। उसे और उसके पिता को हिरासत में ले लिया गया है। छात्राओं की तहरीर पर केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है।स्कूल के बगल में रहने वाले किशोर ने शौचालय के सामने दीवार पर कैमरा लगाया था। छात्राओं की शिकायत पर आरोपी से पूछताछ की गई। उसके पास से कैमरा मिला। आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

सात साल से अधि पुराने वाहनों पर रोक से नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अनपरा। रेणुकूट से अनपरा के बीच आए दिन लग रहे जाम से

निजात दिलाते के लिए प्रशासन ने ओवरलोड वाहनों पर अंकुश लगा दिया है। साथ ही कोल व राख ढुलाई में सात वर्ष से अधिक पुरानी गाड़ियों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। इससे वाहन संचालकों में खलबली मची हुई है। इस फैसले को लेकर उनमें असंतोष है। बीना चंद्रशेखर पार्क में बैठक कर वाहन स्वामियों ने इस पर चर्चा की। हाईवे पर दुर्घटना और जाम की शिकायतें लगातार जिला प्रशासन से की जा रही थीं। इसे लेकर गत दिनों शक्तिनगर एनटीपीसी के गेस्ट हाउस में डीएम, एसपी और परिवहन विभाग अधिकारियों ने परियोजना अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें निर्देश दिए गए कि कोल व राख परिवहन में लगे पुराने वाहन चढ़ाई से उतरते समय अक्सर खराब हो जाते हैं। इस कारण जाम लगता है। ऐसे में सात वर्ष से पुराने वाहनों का इस्तेमाल कोल एवं राख परिवहन में न किया जाए। शनिवार को वाहन स्वामियों ने बीना स्थित चंद्रशेखर पार्क में बैठक भी की। वाहन स्वामियों का कहना है कि परिवहन विभाग ने वाहनों को 15 साल चलाने की अनुमति दी है, लेकिन जिला प्रशासन ने सात वर्ष से पुराने वाहनों पर रोक लगाकर सैकड़ों वाहन स्वामियों की रोजी-रोटी छीन ली है। जाम व दुर्घटना का मुख्य कारण ओवरलोडिंग था, लेकिन इस पर कोई आदेश नहीं जारी किया गया। परिवहन विभाग 20 से 25 साल पुराने वाहनों का भी फिटनेस कर रहा है। चेतावनी दी कि अगर जिला प्रशासन ने आदेश वापस नहीं लिया तो हम सभी आंदोलन के लिए विवश होंगे। बैठक में विकास जायसवाल, लालसा राम बैसवार, जगदीश सिंह, डॉ. रवि कुमार गोंड बड़कू आदि मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को रौंदकर की वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी, भारत को इतने अंतर से पछाड़ा

हाइब्रिड मॉडल के पक्ष में नहीं पीसीबी, नकवी बोले-भारत की चिंताएं दूर करने के लिए तैयार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नकवी ने इस दौरान इस खबर की पुष्टि की है कि पाकिस्तान ने आईसीसी को पत्र लिखकर कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने को लेकर स्पष्टीकरण मांगे। पीसीबी अध्यक्ष ने कहा कि वह आईसीसी से जवाब की प्रतीक्षा कर रहे हैं और इसके बाद ही अगले कदम पर विचार करेंगे। उन्होंने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के पक्ष में नहीं है। मालूम हो कि हाल ही में बीसीसीआई ने आईसीसी को पत्र लिखकर इस बात की सूचना दी थी कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी।नकवी ने कहा, अन्य जिन टीमों ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाई किया है, वो पाकिस्तान आने के लिए तैयार हैं। किसी को चिंता नहीं है। अगर भारत को किसी तरह की परेशानी है तो हम बात करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनकी चिंताएं दूर हों। मुझे नहीं लगता है कि ऐसा कोई कारण है जिसकी वजह से भारत पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर सके। उम्मीद है कि इसके लिए सभी टीमें आएंगी। नकवी ने साथ ही इस बात की उम्मीद जताई कि आईसीसी जल्द कार्यक्रम की घोषणा करनी है और मुझे उम्मीद है कि वे ऐसा जल्द करेंगे जिससे हम तैयारियों को अंतिम रूप दे सकें। हमारे जो भी सवाल थे, उसे हमने लिखित में पूछे हैं और हम उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं।इस बारे में पूछे जाने पर कि अगर पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल के तहते करानी पड़ी तो क्या पीसीबी टूर्नामेंट की मेजबानी से पीछे हटने पर विचार करेगा? नकवी ने इस बारे में कोई सीधा जवाब नहीं दिया, लेकिन उम्मीद जताई कि पूरा टूर्नामेंट पाकिस्तान में ही होगा। नकवी ने कहा, पाकिस्तान का सम्मान सबसे पहले है, आगे आप देखेंगे कि क्या होता है। हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है, हमने पहले भी इस बारे में चीजें स्पष्ट की हैं।

को लेकर स्पष्टीकरण मांगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एक बार फिर इस बात को दोहराया है कि पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के तर्ज पर अगले साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी कराने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने साथ ही भारत की चिंताएं दूर करने का प्रस्ताव देते हुए कहा है कि भारत को इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने को लेकर अपनी परेशानी बतानी चाहिए। नकवी ने सोमवार को स्थानीय मीडिया से बातचीत की। वह लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में चल रहे नवीनीकरण के कार्य का जायजा लेने पहुंचे थे। नकवी ने इस दौरान इस खबर की पुष्टि की है कि पाकिस्तान ने आईसीसी को पत्र लिखकर कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल

टेस्ट सीरीज से पहले विराट कोहली ने कही मन की बात, ऑस्ट्रेलिया में अपने पसंदीदा शतक का किया खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोहली का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड बेहतर है और उन्होंने 13 मैचों में 54.08 के औसत से 1352 रन बनाए हैं। कोहली ने इस दौरान छह शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। इतना ही नहीं वह 2011-12 और 2014-15 दौरे पर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले अपने दिल की बात कही और इस बात का खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलिया में उनका पसंदीदा शतक कौन सा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें कोहली इस बारे में बात करते दिख रहे हैं। मालूम हो कि कोहली ने 29 टेस्ट शतक में से छह ऑस्ट्रेलिआ में लगाए हैं, जिसमें से चार तो 2014-15 दौरे के दौरान लगाए गए अपने शतक को पसंदीदा बताया है। कोहली ने 2018-19 दौरे के उस मैच में 257 गेंदों पर 123 रन बनाए थे। यह दोनों टीम द्वारा उस मैच में बनाया गया एकमात्र शतक था। कोहली की यह पारी भारतीय टीम के काम नहीं आ सकी थी क्योंकि भारत ने वो मैच 146 रनों से गंवाया था और ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली थी। कोहली ने कहा कि पर्थ की वो पिच सबसे कठिन थी। कोहली ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में मेरी सबसे अच्छी पारी 2018-19 सीरीज में पर्थ में खेले गई पारी है। मेरा मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में वो सबसे कठिन पिच थी जहां मैंने खेला है। उस पिच पर शतक लगाना सुखद था। कोहली का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड बेहतर है और उन्होंने 13 मैचों में 54.08 के औसत से 1352 रन बनाए हैं। कोहली ने इस दौरान छह शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। इतना ही नहीं वह 2011-12 और 2014-15 दौरे पर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक सीरीज में कोहली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014-15 दौरा रहा था जब उन्होंने चार मैचों में 86.50 के औसत से 692 रन बनाए थे जिसमें चार शतक और एक अर्धशतक शामिल हैं।ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में सर्वाधिक शतकों के मामले में कोहली ने सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली थी और उनकी नजरें 22 नवंबर से होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान सचिन से इस मामले में आगे निकलने पर लगी होंगी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी।

आरसीबी ने ओंकार साल्वी को नियुक्त किया गेंदबाजी कोच, केकेआर के साथ कर चुके हैं काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। साल्वी ने आठ ट्रॉफी अपने नाम की है और अब उनकी कोशिश आरसीबी को आईपीएल खिताब का सूखा समाप्त कराने की होगी। साल्वी घरेलू क्रिकेट में अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के बाद आरसीबी के साथ जुड़ेंगे।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2025 से पहले ओंकार साल्वी को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इससे पहले, साल्वी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच की भूमिका निभा रहे थे जिन्होंने आईपीएल 2024 का खिताब जीता था। साल्वी के मार्गदर्शन में मुंबई ने पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी और ईरानी ट्रॉफी खिताब जीता था। साल्वी ने आठ ट्रॉफी अपने नाम की है और अब उनकी कोशिश आरसीबी को आईपीएल खिताब का सूखा समाप्त कराने की होगी। साल्वी घरेलू क्रिकेट में अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के बाद आरसीबी के साथ जुड़ेंगे। मौजूदा रणजी सत्र 23 जनवरी को फिर बहाल होगा इसके खत्म होने के बाद ओंकार के आरसीबी से जुड़ने की उम्मीद है। इस बीच वह सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट में भी मुंबई का मार्गदर्शन करेंगे। वर्ष 2008 में टूर्नामेंट के पहले सत्र से हिस्सा ले रहे आरसीबी ने अब तक एक बार भी आईपीएल खिताब नहीं जीता है।आरसीबी ने ट्वीट किया, मुंबई के मौजूदा मुख्य कोच ओंकार साल्वी को आरसीबी का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। पिछले आठ महीने में रणजी ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी और आईपीएल विजेता टीम का हिस्सा रहे ओंकार भारत के घरेलू सत्र में अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के बाद आईपीएल 2025 के लिए हमारे साथ जुड़कर रोमांचित हैंओंकार पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अविष्कार साल्वी के छोटे भाई हैं जो फिलहाल भारतीय महिला टीम के गेंदबाजी कोच हैं और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की विजेता पंजाब के मुख्य कोच हैं। उन्होंने 2005 में रेलवे के लिए एकमात्र लिस्ट ए मैच खेला है। साल्वी का मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के साथ मार्च 2025 तक करार है। साल्वी को 2023-24 सत्र के पहले मुंबई की घरेलू टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अभ्यास मैच नहीं खेलने के भारत के फैसले पर हैरान माइकल वॉन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वॉन ने कहा, 'मैं हैरान हूं कि यह भारतीय टीम एक भी अभ्यास मैच नहीं खेलना चाहती। वाका की विच मुख्य पिच के जैसी है जिस पर समान उछाल है।' ऑस्ट्रेलिया ने भी पिछले साल भारत और इंग्लैंड के टेस्ट दौरों पर अभ्यास मैच नहीं खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने के भारत के फैसले से हैरान इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने आशंका जताई है कि मैच अभ्यास के बिना भारतीय टीम 'प्रतिस्पर्धी मानसिकता' के साथ कैसे खेलेगी। भारत ने पर्थ में 22 नवंबर से शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टीम के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलने का फैसला किया है जबकि पिछले दो दौरों पर ऐसा नहीं हुआ था। वॉन ने 'फॉक्स स्पोर्टर्स' से कहा, 'मुझे समझ में नहीं आ रहा कि भारत जैसी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर खेलने से पहले 'इंट्रा स्क्वाड' (आपस में मुकाबला) मैच ही क्यो खेलना चाहती है।'उन्होंने कहा, 'ऐसे में प्रतिस्पर्धी मानसिकता के साथ कैसे उतरेंगे। यह समय ही बताएगा।' भारत ने अपनी 'ए ' टीम के साथ तीन दिवसीय 'इंट्रा स्क्वाड' मैच भी नहीं खेलने का फैसला किया है। वे पर्थ में वाका की मुख्य पिच पर अभ्यास पर फोकस कर रहे हैं। भारतीय टीम प्रबंधन का मानना है कि वाका की मुख्य पिच पर उछाल पर्थ स्टेडियम की पिच तैसा है और इस पर अभ्यास करने से शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को फायदा होगा। वॉन ने कहा, 'मैं हैरान हूं कि यह भारतीय टीम एक भी अभ्यास मैच नहीं खेलना चाहती। वाका की विच मुख्य पिच के जैसी है जिस पर समान उछाल है।' ऑस्ट्रेलिया ने भी पिछले साल भारत और इंग्लैंड के टेस्ट दौरों पर अभ्यास मैच नहीं खेले थे।रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर।

उन्हें उनकी तरह से काम करने दे आलोचना झेल रहे कोच गंभीर को मिला गांगुली का समर्थन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गांगुली ने गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि भारत के मुख्य कोच ऐसे ही हैं। गांगुली ने रिकी पोंटिंग, मैथ्यू हेडन, स्टीव वॉ जैसे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सितारों का उदाहरण दिया, जिनकी व्यक्तित्व शैली गंभीर की तुलना में समान थी। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लगता है कि श्रीलंका के खिलाफ वनडे और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में दो शर्मनाक हार के बाद उनके बने रहने पर सवाल उठ रहे हैं। वह जिस तरह से प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से बात करते हैं वह भी कुछ पूर्व क्रिकेटरों के बीच बहस का विषय बन गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मीडिया से उनकी बातचीत के बाद संजय मांजरेकर ने उन पर निशाना साधा था। हालांकि, पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली नहीं चाहते कि गंभीर अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाएं और उन्होंने दूसरों को सलाह दी है कि वह जैसे हैं उन्हें वैसा ही रहने दें।रेवस्पोर्ट्ज के साथ बातचीत के दौरान गांगुली ने गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि भारत के मुख्य कोच ऐसे ही हैं। गांगुली ने रिकी पोंटिंग, मैथ्यू हेडन, स्टीव वॉ जैसे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सितारों का उदाहरण दिया, जिनकी व्यक्तित्व शैली गंभीर की तुलना में समान थी। गांगुली ने कहा, 'मैं बस इतना कहूंगा कि उन्हें वैसे ही रहने दो। मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने जो कहा उसकी कुछ आलोचना देखी। वह ऐसे ही हैं, उन्हें उनके जैसे रहने दो। जब उन्होंने आईपीएल जीता था, तब भी वह ऐसे ही थे। तब आप उन पर गदगद हो रहे थे।

गावस्कर को कोहली से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद, बोले- ऑस्ट्रेलिया में रन बनाने के लिए बहुत भूखे होंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में कुल 93 रन ही बनाए थे। कोहली का रन बनाने के लिए संघर्ष करना भारत को 0-3 से मिली हार का एक बड़ा कारण था।भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी सुनील गावस्कर का मानना है कि खराब फॉर्म से गुजरने के बावजूद विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में आत्मविश्वास से अधिक ओतप्रोत होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। सीरीज से पहले कोहली की फॉर्म को लेकर काफी चिंता जताई जा रही है जो पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। हालांकि, गावस्कर का कहना है कि कोहली ऑस्ट्रेलिया में रन बनाने के लिए काफी भूखे होंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में कुल 93 रन ही बनाए थे। कोहली का रन बनाने के लिए संघर्ष करना भारत को 0-3 से मिली हार का एक बड़ा कारण था। कोहली पर राय रखते हुए गावस्कर ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया में रन बनाने के लिए भूखे होंगे क्योंकि उन्होंने पिछले दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर कई यादगार पारियां खेली हैं गावस्कर ने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ कोहली रन नहीं बना सका था लिहाजा वह रनों का भूखा होगा। पिछली बार एडिलेड टेस्ट में जब दूसरी पारी में पूरी भारतीय टीम 36 रन पर आउट हो गई थी, जहां तक मुझे याद है कोहली ने रन आउट होने से पहले पहली पारी में 70 से ज्यादा रन बनाए थे। इसके अलावा एडिलेड में तो उसने हमेशा रन बनाए हैं। पर्थ में 2018-19 में उसने उसके सबसे शानदार टेस्ट शतकों में से एक। इन पारियों से उसमें अतिरिक्त आत्मविश्वास होगा। शुरुआत में किस्मत का साथ चाहिए और अगर उसे अच्छी शुरुआत मिल गई तो वह बड़ी पारियां खेलेगा।कोहली का इस साल रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। इस साल उन्होंने छह टेस्ट मैच खेले और 22.72 के औसत से 250 रन बनाए जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में उनका रिकॉर्ड बेहतर है जिससे इस बात की उम्मीद बढ़ गई है कि कोहली का बल्ला बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जमकर बोलेगा। इस 36 वर्षीय बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 मैचों में 1352 रन बनाए हैं।

राशि फल

मेष
कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

वृषभ
आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

मिथुन
किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

कर्क
आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

सिंह
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या
नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला
आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

वृश्चिक
आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

धनु
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

मकर
आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

कुंभ
आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मीन
मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट मैच बीच में छोड़ेंगे डेनियल विटोरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का शुरुआती टेस्ट मैच 22 नवंबर से पर्थ के ऑप्टस मैदान पर शुरू होगा। विटोरी ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच होने के अलावा आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के मुख्य कोच भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच डेनियल विटोरी इस सप्ताह के आखिर में होने वाली आईपीएल की बड़ी नीलामी में भाग लेने के लिए भारत के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के बीच में ही अपना कार्यभार छोड़ देंगे। आईपीएल नीलामी 24-25 नवंबर को सऊदी अरब के शहर जेद्दाह में होगी। पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का शुरुआती टेस्ट मैच 22 नवंबर से पर्थ के ऑप्टस मैदान पर शुरू होगा। विटोरी ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच होने के अलावा आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के मुख्य कोच भी हैं।

कोहली की सफलता पर टिका मध्यक्रम, ऑस्ट्रेलिया में खूब बोला है विराट का बल्ला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अन्य किसी देश के मुकाबले विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा रन विराट ने ऑस्ट्रेलिया में ही बनाए हैं। उन्होंने इस देश के खिलाफ कुल आठ शतक लगाए हैं, जिसमें छह ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय मध्यक्रम का दारोमदार अनुभवी विराट कोहली की सफलता पर निर्भर करेगा। विराट इस वर्ष फॉर्म में नहीं हैं, बीते पांच वर्षों में उनके बल्ले से सिर्फ दो टेस्ट शतक निकले हैं। बावजूद इसके ऑस्ट्रेलियाई धरती पर उनका शानदार रिकॉर्ड भारतीय मध्यक्रम की सफलता ताना-बाना उनके इर्द-गिर्द बुन रहा है। दिग्गज सुनील गावस्कर ने भी स्पष्ट कर दिया है कि ऑस्ट्रेलिया में सफल रिकॉर्ड रनों के भूखे विराट का आत्मविश्वास वापस लाने का काम करेगा। विराट ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के चार दौरे किए हैं। चारों में ही उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऑस्ट्रेलिया में विराट को रन बनाना भी पसंद है। अन्य किसी देश के मुकाबले विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा रन विराट ने ऑस्ट्रेलिया में ही बनाए हैं। उन्होंने इस देश के खिलाफ कुल आठ शतक लगाए हैं, जिसमें छह ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए हैं।

सम्पादकीय

आखिर कितना खतरनाक है हिमालय पर लाखों वाहनों का चढ़ना

हिमालय के चार धामों में से केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री समेत तीन धामों की इस साल की यात्रा का समापन हो गया और अब शेष बदरीनाथ के कपाट आगामी 17 नवंबर को बंद होने हैं। तीन धामों के यात्रावसान तक देशभर के 46,34,448 श्रद्धालु यात्रा कर लौट चुके थे। बहुत ही संवेदनशील हिमालय के पर्यावरण पर यात्रियों की इस बाढ़ का असर तो पड़ ही रहा है, लेकिन उससे अधिक गंभीर विषय हिमालय पर और खास कर गंगा के श्रोत गंगोत्री और सतोपन्थ जैसे तेजी से पीछे खिसक रहे ग्लेशियरों पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ का है। यह भीड़ सीधे वैश्विक और स्थानीय तापमान को बढ़ा रही है जिसका दुष्परिणाम जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम के कारण उत्पन्न दैवी आपदाओं के रूप में रूप में सामने नजर आ रहे हैं। चूंकि हिमालय ऐशिया का जलस्तंभ होने के साथ ही मौसम का नियंत्रक भी है और यह ऐशिया के पांच देशों से जुड़ा हुआ है। इसलिये हिमालय की चिन्ता केवल उत्तराखण्ड तक ही सीमित नहीं है। इसलिये हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में यात्री वाहनों की संख्या बढ़ाने के बजाय उस पर सख्त नियमन की आवश्यकता है।उत्तराखण्ड हिमालय की तीन धामों की सालाना यात्रा समाप्ति के दिन तक चारों धामों में से दो तक सीधे और दो धामों के बहुत निकट तक 5,21,915 वाहन यात्रियों को लेकर पहुंच चुके थे। इनमें से भी सीधे बदरीनाथ और गंगोत्री पहुंचने वाले वाहनों से उत्सर्जित प्रदूषकों का सीधा असर सतोपन्थ और गंगोत्री ग्लेशियर समूहों पर पड़ना स्वाभाविक ही है। केदारनाथ पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या तो हर साल कीर्तिमान बना ही रही थी, लेकिन इस बार केदार घाटी पहुंचने वाले यात्री वाहनों ने भी रिकार्ड तोड़ दिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले वाहनों की संख्या 1,87,590 तक पहुंच गयी जबकि पिछले यह संख्या केवल 88,236 थी। इसरो की रिपोर्ट के अनुसार, यह घाटी भूस्खलन की दृष्टि से देश में सर्वाधिक संवेदनशील है और मुख्य केंद्रीय भ्रंश के निकट होने के कारण यह भूकम्प के मुहाने पर भी बैठी है। इसलिये इस क्षेत्र में क्षमता से अधिक मानव दबाव को बहुत जोखिमपूर्ण माना गया है हिमालय पर दबाव का दिखने लगा है असर सन् 1968 में जब पहली बार बद्रीनाथ बस पहुंची थी तो वहां तब तक लगभग 60 हजार यात्री पहुंचते थे। लेकिन यह संख्या अब 13 लाख सालाना पार कर गयी है। इन यात्रियों के साथ मात्र 6 माह में लगभग 1.50 लाख वाहन बद्रीनाथ पहुंच रहे हैं। गंगोत्री में इस बार 8,15,273 यात्री और 88,236 वाहन 3 नवम्बर तक पहुंच चुके थे। पहले ज्यादातर यात्री बसों में सफर करते थे और औसतन एक बस 30 यात्रियों को ढो लेती थी। लेकिन अब अधिकतम 5 लोग लोग कारें लेकर यात्रा कर रहे हैं जिस कारण वाहनों का भारी दबाव हिमालय पर बढ़ता जा रहा है। जिसका विपरीत असर हिमालय के पारितंत्र पर पड़ने के साथ ही अतिवृष्टि, बादल फटने, त्वरित बाढ़ और आसमानी बिजली गिरने जैसी आपदाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही उनकी आवृति भी बढ़ रही है।पहाड़ों पर चार गुना अधिक प्रदूषण करते हैं वाहन विशेषज्ञों की माने तो मैदानी क्षेत्र की तुलना में पहाड़ों पर वाहनों का प्रदूषण चार गुना अधिक होता है। मैदानों में सामान्यतः वाहन तीसरे और चौथे गेयर में औसतन 60 किमी की गति से चलते हैं। जबकि पहाड़ों की चढ़ाइयों पर वाहन पहले और दूसरे गेयर में औसतन 20 किमी की गति से चलते हैं। वाहन पहाड़ों पर कितनी चढ़ाई चढ़ते हैं इसका अंदाजा इस बात से लग जाता है कि चारधाम यात्रा समुद्रतल से 300 मीटर की ऊंचाई पर स्थिति ऋषिकेश से शुरू होकर समुद्र तल से 3042 मीटर की उंचाई पर स्थित गंगोत्री और 3133 मीटर की उंचाई पर स्थित बद्रीनाथ पहुंचते हैं। वाहनों की अत्यधिक भीड़ का सीधा असर गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। इस तरह हिमालय पर वाहनों की भीड़ से लोकल और ग्लोबल वार्मिंग का तेज होना स्वाभाविक ही है। कई हानिकारक गैसें उत्सर्जित करते हैं वाहन वाहनों से उत्सर्जित वायु प्रदूषण गैसों और कणों का मिश्रण होता है। साइंस जनरल के फरवरी अंक में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, गैसों में नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स), कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और ओजोन शामिल हैं। पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में कार्बनिक और मौलिक कार्बन, सीसा जैसे धातु और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन शामिल होते हैं। डीजल इंधन से चलने वाले वाहन सर्वाधिक ब्लैक कार्बन उत्सर्जित करते हैं।

स्वतंत्रता संग्राम की महान और अद्भुत नायिका, जिसने बदल दिया इतिहास

आज भी जब किसी लड़की के द्वारा विशेष बहादुरी का काम किया जाता है तो उसका हौसला अफजाई करने के लिए उसे 'झांसी की रानी' कह देने मात्र से उसके भीतर जोश का समुद्र उफान लेने लगता है। निसंदेह महिला सशक्तिकरण की भारतीय ब्रांड अम्बेसडर हैं ठझांसी की रानी लक्ष्मीबाईठ। बचपन में मनु के प्रिय खेल थे- नकली युद्ध करना, व्यूह की रचना करना और शिकार करना। उनकी बहादुरी के निशान आज भी झांसी की सरजमीं पर हर ओर देखे जा सकते हैं। झांसी के बीच में बुलंदी से खड़ा झांसी का किला जिसे बनवाने वाले यकीनन 'वीरसिंह बुंदेला' थे। लेकिन झांसी के किले को क्रान्ति का प्रतीक बनाने वाली महारानी लक्ष्मीबाई ही थी। आज भी किले की बुलंद दीवारों को देख लगता है जैसे वो रानी की से उसके भीतर जोश का समुद्र उफान लेने लगता है। निसंदेह महिला सशक्तिकरण की भारतीय ब्रांड अम्बेसडर हैं ठझांसी की रानी लक्ष्मीबाईठ। बचपन में मनु के प्रिय खेल थे- नकली युद्ध करना, व्यूह की रचना करना और शिकार करना। उनकी बहादुरी के निशान आज भी झांसी की सरजमीं पर हर ओर देखे जा सकते हैं। झांसी के बीच में बुलंदी से खड़ा झांसी का किला जिसे बनवाने वाले यकीनन 'वीरसिंह बुंदेला' थे। लेकिन झांसी के किले को क्रान्ति का प्रतीक बनाने वाली महारानी लक्ष्मीबाई ही थी। आज भी किले की बुलंद दीवारों को देख लगता है जैसे वो रानी की मृत्यु से पूर्व राजा गंगाधर राव ने आनंद राव को गोद ले लिया और उसका नाम दामोदर राव रखा गया । रानी के अंतिम युद्ध में वीरता का गवाह उनके पीठ से बंधा बहादुर पुत्र दामोदर राव भी रहा। बचपन में रानी लक्ष्मीबाई की बहादुरी की कहानियों एवं कविताओं को पढ़कर लगता था, क्या सच में ऐसा किरदार दुनिया में हुआ होगा? और वो भी अपने ही शहर के इतना नज़दीक। झांसी के किले और उससे जुड़ी कहानियां हमेशा रोमांचित करती रहीं। आज भी भारतीय युवा पीढ़ी में प्रेरणादायक किरदारों में सबसे प्रमुख है महारानी लक्ष्मीबाई का किरदार।वास्तव में उन पर लिखा बनना भी है। यकीनन इस को किसी पर्दे पर दर्शाना बेहद मुश्किल है। रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत करने के लिए गुलाम गौस खान, दोस्त खान, खुदा बख्श, काशी बाई, लाला भाई बख्शी, मोती बाई, झलकारी बाई, दीवान रघुनाथ सिंह और दीवान जवाहर सिंह के साथ मिलकर लगभग 14000 लोगों की एक बड़ी फौज को तैयार किया था ।बुंदेलखण्ड की गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी मिशाल थीं रानी लक्ष्मीबाई आज भी झांसी के लोगों से बात करके ऐसा मालूम होता है जैसे रानी आज भी उनके हृदय में जीवित हैं। बुंदेलखण्ड की क्रांति में सहयोग करने के लिए कहा, जिसके लिए बांदा नवाब अली बहादुर अपनी बहन रानी लक्ष्मीबाई की मदद के लिए 10000 सैनिकों के साथ आजादी के संग्राम में रानी के साथ हो लिए। बुंदेलखंड में रक्षाबंधन के त्यौहार को आज भी हिंदू- मुस्लिम भाई-बहन उसी उत्साह से मनातेझांसी की रानी लक्ष्मी बाई के तीन प्रिय घोड़े थे जिनके नाम सारंगी, बादल और पवन थे। अपने अंतिम युद्ध के समय रानी जिस घोड़े पर सवार थीं उसका नाम बादल था। रानी के अंग्रेजों से हुए अंतिम युद्ध में नवाब अली बहादुर उनके साथ थे। भोपाल यात्रा ह्यूरोज वेः लिए आश्चर्यचकित करने वाली थी। उसके अनुमान से कहीं ज्यादा थी रानी की वीरता। ह्यूरोज के बहादुरपुर तक बढ़ आने की खबर के बाद 16 जून को सेना की कमान तात्या टोपे ने संभाली। रानी ने ग्वालियर से पूर्व का सबसे कठिन मोर्चा संभाला। इस अंतिम युद्ध में रानी वेः विश्वासपात्र सहयोगियों ने बराबर साथ दिया। उनके साथ सेना की कमान संभाले नवाब अली बहादुर भी अपने प्राणों की चिंता किए बगैर रणभूमि में वीरता से डटे रहे। रानी दोनों हाथों से तलवार चलाने में पारंगत थीं। उन्होंने घोड़े की बाग दांतों में दबा कर अंग्रेजी सेना के होश उड़ाने का काम किया। युद्ध भूमि में उनकी सेविका मित्र मुंदर एक अंग्रेज सैनिक की गोली लगने से शहीद हो गयी। रानी के भयंकर प्रहारों से अंग्रेजी सेना पीछे हटने लगी लेकिन तभी ह्यूरोज स्वयं युद्धभूमि में आ गया। कहते हैं तब रानी लक्ष्मीबाई ने दामोदर राव को रामचंद्र देशमुख को सौंप दिया और आगे बढ़ी, सोनरेखा नाले को उनका घोड़ा पार न कर सका। वहीं एक सैनिक ने पीछे से रानी पर तलवार से जोरदार प्रहार कर दिया जिससे उनके सिर का दाहिना भाग कट गया और उनकी एक आंख बाहर आ गयी। कहते हैं घायल होते हुए भी उन्होंने उस अंग्रेज सैनिक को मौत के घाट उतार दिया और फिर अपने प्राण त्याग दिए। कुछ इतिहासकार 17 तथा कुछ 18 जून 1857 उनकी शहादत का दिन मानते हैं। रणभूमि के निकट ही रानी का बाबा गंगादास की कुटिया में अंतिम संस्कार किया गया। रानी की इच्छा अनुसार उनका मृत शरीर भी अंग्रेजों के हाथ न आ सका। 18 जून को रानी की वीरगति की खबर ब्रिटिश हुकूमत को हुई।शायद इसलिए उनकी अंतिम संस्कार की तिथि को लेकर इतिहास की पुस्तकें अलग-अलग तारीखें बताती हैं। 1857 की क्रांति बेशक सफल न हो सकी लेकिन ब्रिटिश हुकूमत को लोहे के चने चबाने पर मजबूर होना पड़ा। लार्ड कैनिंग के नेतृत्व में हुई इस क्रांति ने ब्रिटिश हुकूमत को अपनी नीतियों पर जबरदस्त परिवर्तन करने पर विवश कर दिया। उन्हें मानना पड़ा कि रानी लक्ष्मीबाई का साहस और शौर्य का कोई मुकाबला नहीं था ।

बुंदेलों हर बोलो के मुह हमने सुनी कहानी थी, खूब लडी मर्दानी,वो तो झांसी वाली रानी थी

वीरता और निड़रता की अनगिनत कहानियों को मजबूती से थामें खड़ी हों। सन् 1842 में मनु का विवाह झांसी के महाराज गंगाधर राव नेवलेकर से हुआ। विवाह के बाद मणिकर्णिका का नाम लक्ष्मीबाई पड़ा। कुछ समय पश्चात रानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, पर कुछ ही महीने बाद बालक की मृत्यु हो गई। पुत्र वियोग के आघात से दुःखी महाराज गंगाधर राव ने भी लगभग 21 नवंबर, 1853 को अपने प्राण त्याग दिए। झांसी शोक में डूब गई। अंग्रेजों ने अपनी कुटिल नीति के चलते झांसी पर चढ़ाई कर दी। साहित्य और अभी तक उन पर बनी फिल्मों में उनके संघर्ष को पूरी तरह उतारा ही नहीं जा सका। झांसी में गुजरे उसके संघर्ष और झांसी की प्रजा के लिए उनके प्रेम एवं तत्कालीन हिन्दु-मुस्लिम साझा संस्कृति को बनाए रखने की उनकी कोशिशें, 19वीं सदी में महिलाओं की अपनी सेना तैयार करना, महिलाओं को प्रशिक्षण देकर न केवल ब्रिटिश हुकूमत की नाक में दम करना बल्कि उन महिलाओं में यह आत्मविश्वास जगाना कि उनकी भूमिका घर और परिवार के साथ पुरुषों का दाया कंधा गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी मिशाल थीं रानी लक्ष्मीबाई। डलहौजी की हड़प नीति के तहत जब झांसी पर संकट के बादल मंडराए, रानी ने अपने साम्राज्य और झांसी के लोगों की रक्षा करने के लिए जिस अदम्य साहस से मोर्चा अपने हाथों में लिया उसे देख ब्रिटिश हुकूमत थर्रा गई। रानी जितनी तेज तर्रार थी उतनी ही मृदुभाषी, रिश्ते बनाने और निभाने में निपुण भी थी। कहते है कि 1857 की क्रांति में महारानी लक्ष्मीबाई ने बांदा के नवाब अली बहादुर द्वितीय को राखी भेजकर की बेगम का एक एजेंट भवानी प्रसाद जो उस समय मध्य भारत के अंग्रेजी एजेंट सर रॉबर्ट हैमिल्टन की छावनी में था, उसने रानी के अंतिम युद्ध और रानी की 17 जून को मृत्यु के समाचार को, एक पत्र के माध्यम से 18 जून को बेगम को सूचना दी थी। हालांकि कुछ इतिहासकार उनके इस पत्र में लिखी कई बातों को पूर्णता सत्य नहीं मानते अपितु इससे इतना तो पता चलता है कि रानी के अंतिम युद्ध में बांदा नवाब अली बहादुर उनके साथ थे। रानी की कालपी से ग्वालियर तक की

दिल्ली में सांसों का संकट, आखिर प्रकृति से कितनी दूर चले आए हैं हम

दिल्ली के कई इलाकों में कोहरे और धुंध की चादर बिछी है। वायु गुणवत्ता यानी की एक्यूआई का स्तर कई इलाकों में 400 से 500 पार कर गया है। वायु प्रदूषण गुणवत्ता यानी की एक्यूआई का स्तर कई इलाकों में 400 से 500 पार कर गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को बेहद गंभीर माना है और दिल्ली एनीआर में 12वी तक के स्कूल को तीसरे पादान पर खड़ा है। फिलहाल पिछले पांच बार से दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक दिशा-निर्देश के मुताबिक भारत में लगभग था लेकिन दिल्ली में वायु गुणवत्ता में निरंतर गिरावट के साथ -साथ यमुना नदी का बढ़ता प्रदूषण भी अब हर साल खतरनाक साबित हो रहा है। इस साल अप्रैल से दूसरे पर डालते हए कुछ समय के लगभग चुप्पी साध लेती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन रिपोर्ट बताती है कि- वायु प्रदूषण की वजह से पूरी दुनिया में हर साल लगभग 70 लाख कहे जाने वाले दिल्ली में देश के कोने से कोने से रोजी-रोटी की तलाश में आ बसें, लाचार-गरीब लोगों को सूझ नहीं रहा है कि- बढ़ती मंहगाई और निरंतर कम होती जा रही आमदनी में अपना मनन करते रहे हैं। तैत्तिरीय उपनिषद् में बताया गया है कि कैसे पदार्थ ऊर्जा से आकाश, आकाश से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से जल, जल से पृथ्वी, पृथ्वी से वनस्पतियां, वनस्पतियों से अन्न, वहीं है, जो लोभ और अहंकार त्याग कर प्रकृति का अध्ययन करता है।ठ भारतीय चिंतन परंपरा में आकाश, वायु और आत्मा को अमारता का दर्जा हासिल है। हमारे धार्मिक कार्यों में भी जल, पेड़ -पौधों, नदियों

में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिहाज से तीसरे पादान पर खड़ा है। फिलहाल पिछले पांच बार से दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। दिल्ली में वायु प्रदूषण के चलते हाहाकार मचा हुआ है। देश की सर्वोच्च अदालत ने संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को फटकार लगाई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दीपावली के बाद प्रदूषण में लगातार वृद्धि हुई है लेकिन नवंबर मध्य के बाद जिस तरह के हालात 18 नवंबर को देखने में आए हैं वह भयावह है। दिल्ली के कई इलाकों में कोहरे और धुंध की चादर बिछी है। वायु बंद करने का आदेश दिया है जबकि राज्य और केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए तत्काल प्रभाव से कदम उठाने के लिए कहा है। दरअसल, वायु गुणवत्ता के लिहाज से भारत की राजधानी दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। हालांकि की दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की बात करें तो इसमें बिहार के बेगूसराय शहर का नाम पहले सामने आता है। स्विस संगठन की वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 में बताया गया है कि- वायु प्रदूषण गुणवत्ता में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिहाज से 1.3अरब लोग- जो कुल आबादी का लगभग 96झ्है, पी एम 2.5 सांद्रता का अनुभव करते हैं। पी एम-पार्टिकुलेट मैटर-वे छोटे-छोटे कण हैं,जो वायु में मौजूद रहते हैं और जिन्हें हम नग्न आंखों से नहीं देख सकते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि दिल्ली में रहने वाला प्रत्येक नगरिक विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के लिहाज से सात गुना वायु प्रदूषण का खतरा झेल रहा हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानक 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। आमतौर पर दिल्ली के यमुना नदी में सफेद रंग का झाग दीपावली और छठ की पूजा के बाद दिखाई देता यमुना में सफेद झाग दिखाई देने लगा। ऐसी स्थिति आमतौर पर बाढ़ उतरने और जमुना के जलस्तर में कमी की वजह से पैदा होती है। रही बात बढ़ते वायु प्रदूषण की, तो इसकी मुख्य वजह सड़कों पर गाड़ियों की बढ़ती संख्या, गाड़ियों के धुएं से निकलने वाली खतरनाक कार्बन 'मोनोऑक्साइड' जैसी गैसें भी हैं। इधर, पड़ोसी राज्यों मसलन हरियाणा और पंजाब के किसानों द्वारा धान और गेहूं की पराली जलाने की वजह से भी हर साल वायु गुणवत्ता की सेहत खराब हो जाती है। केंद्र और राज्य सरकारें हर साल अपनी जवाबदेही एक लोगों की मौतें होती हैं। अकेले भारत में लगभग 12 लाख लोग हर साल वायु प्रदूषण की वजह से असमय काल के गाल में समा जाते हैं। फिलहाल दिल्ली और एनसीआर के आसपास लोगों को सांस लेने में दिक्कतें महसूस हो रही हैं। सुबह से ही कोहरे की चादर दिल्ली के आसमान में छाने लगती है। हवा की गुणवत्ता लगातार बद से बद्तर होती जा रही है। एक्यूआई 334 तक पहुंच चुका है। गले में खराश आंखों में जलन सांस लेने में तकलीफें और सांस सम्बन्धी कई अन्य बीमारियां दिल्ली वासियों का जीना मुहाल कर रखा है। देश के दिल पेट काटकर इन बीमारियों का कैसे सामना करें?अब केंद्र और दिल्ली सरकार के दरवाजे पर गुहार लगाने के अलावा दूसरा उपाय क्या है - कभी यमुना दिल्ली के लाल किले की दहलीज तक दस्तक देती थी। आज अपने सूरत-ए-हाल पर रो रही है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि नदियों के तट पर ही भारतीय सभ्यता का सृजन और विस्तार हुआ है। हमारे शरीर के धमनियों में बहने वाले खून की तरह नदियां सृष्टि काल से हमारे जीवन की तारणहार -खेवनहार और जीवनधारा रही हैं। औद्योगिक विकास की मौजूदा प्रणाली हमें इस जीवन धारा से लगातार वंचित और बेदखल कर रही है। आज हमारे रहन -सहन का ढंग बदल गया है। हम दोष जलवायु परिवर्तन को दे रहे हैं, लेकिन अपने आपको बदलने के लिए हम बिल्कुल तैयार नहीं हैं।आलम यह है कि हम सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया की अन्य सभी खबरों से हर वक्त बाखब़र हैं, पर अपने पास की नदी की रूलाई हम कहां सुनते हैं? वैदिक परंपरा से लेकर सुकरात पूर्व ग्रीक दर्शन में पांच महाभूतों से निर्मित इस विश्व के संरक्षक -संवर्धन के प्रति हम सदैव सचेत रहे हैं। पृथ्वी, आकाश, जल , वायु और अग्नि के सरंक्षक उपायों तथा उनके कार्य पद्धतियों का विस्तार से अध्ययन और जीवन में उनके महत्व को भी हम गहराई से चिन्तन- अन्न से मानव जीवन का सत्व निर्मित होता है। तैतरीय उपनिषद् कहा गया है -ठवायुः मूलं वायुः मध्यम वायुः अंतम्ठअर्थात् वायु ही उत्पत्ति की आदि-मध्य और अंत अवस्था है। मध्य अवस्था में वायु प्राण रूप में सभी प्राणियों में अवस्थित होता है। वायु की अंतिम अवस्था में सभी जीव जंतु और प्राणियों का अंत हो जाता है। बृहदारण्यक उपनिषद् में ठ वायुःवै प्राणःठ अर्थात् वायु ही प्राण है। इस मंत्र में प्राण तत्व को सर्वोच्च और सर्वव्यापी बताया गया है। ग्रीक दर्शन में सुकरात के पहले एनैक्सिमिनिस(ई पू 529 या ई पू 548) सभी चीजों की उत्पत्ति वायु से मानते है। उन्होंने अनुभव किया कि उनके अंदर की वायु -जो उन्हें चला रही है, वहीं जीवन है। वे तर्क देते है कि-भीतर की वायु , बाहर की वायु का एक अंग है। और यहीं इस जगत् की उत्पत्ति का मूल कारण है। उनके शिष्य डायोजिनीज भी वायु तत्व को ही मुख्य मानते हैं। उसे शक्ति और बुद्धि से समन्वित करते है। वे तर्क देते है कि-आद्रता के प्रति सूर्य का आकर्षण और लोहे के प्रति चुंबक के आकर्षण में भी श्वास -प्रश्वास की क्रियाएं ही कार्य करती है। इस पद्धति का महर्षि पतंजलि के प्राणायाम से कितनी संगति है। पाईथागोरस- जिनके बारे में कहा जाता है कि - 'फिलोसॉफी' शब्द का पहली बार प्रयोग उन्होंने ने ही किया। वे कहते है कि -ठदार्शनिक - सरोवरों की रक्षा करने, उन्हें किसी भी तरह से क्षति नहीं पहुंचाने कीअवधारणा को पूजा -आराधना, और पाप-पुण्य की भावना से जोड़ने के पीछे भी दरअसल उनके संरक्षण का उपाय ही है। फिर क्या वजह है कि हजारों साल से- हर बारह साल के बाद लगने वाले महाकुम्भ के बाद पर्यावरण प्रदूषण को लेकर उतनी हाहाकार कभी नहीं मचती, जितनी हर साल, जाड़े का मौसम शुरू होते ही और खासकर छठ और दीपावली जैसे पवित्र हिंदू त्योहारों के बाद भारत की राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता और यमुना में जल की कमी और लगातार प्रदूषित होते जा रहें जल को लेकर चिकचाक्य शुरू हो जाता है। यह हमारे आधुनिक जीवन शैली में आ रहें बदलाव का नतीजा तो है ही, साथ-ही-साथ प्रकृति की साझी विरासत को बेरहमी और लापरवाही से और वह भी सिर्फ अपने लिए शोषण का भी परिणाम है।इस लिए मशहूर शायर बशीर बद्र हमें आगाह करते है कि- नदी के किनारे के रहवासियों को बशीर बद्र की इस हिदायत पर जरूर गौर करना चाहिए। अगर हम अपनी सभ्यता को बचाये रखते हुए और जिन्दा रहना चाहते तथा भावी पीढ़ी को - जैसी भी हों, कुछ बची-खुची विरासत सौंपना चाहते हैं।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with " Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

थाना सेक्टर 39 पुलिस व ईनामी बदमाशों के बीच हुयी पुलिस मुठभेड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। थाना सैक्टर 39 क्षेत्रान्तर्गत दादरी रोड शशि चौक कट पर पुलिस बल के द्वारा चौकिंग के दौरान शशि चौक की तरफ से आते हुए मोटर साईकिल सवार 2 व्यक्तियों को रोकने का इशारा किया गया जो नही रुके तथा अगाहपुर सैक्टर 49 की तरफ भागने लगे। शक होने पर पुलिस बल द्वारा पीछा किया गया बदमाश सैक्टर 42 के जंगल में घुस गये। बदमाशों द्वारा पीछे से आ रही पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर किया जिसमें पुलिस बल द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में फायर किये गये जिसमें दोनो बदमाशों के पैरों में गोली लगने से घायल हो गये। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि

घायल बदमाशो के नाम नूरजमाल शेख पुत्र बिलाल शेख निवासी कालरा गेट कॉफी बागान थाना वर्धमान जिला वर्धमान पश्चिम बंगाल हाल पता सिकन्दपुर घोसी नंबरदार मार्केट के पास थाना डीएलएफ फेस वन गुरुग्राम हरियाणा व राजकुमार विश्वास पुत्र अमर विश्वास निवासी ग्राम कुर्मी टोला थाना मुर्शिदाबाद जनपद मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल हाल पता सिकन्दपुर घोसी थाना डीएलएफ फेस वन गुरुग्राम हरियाणा है जो थाना सेक्टर 39 के 25-25 हजार रुपये के ईनामी अपराधी है । घायल बदमाशो के कब्जे से 2 तंमचे .315 बोर मय 2 जिन्दा कारतूस व 2 खोखा कारतूस, करीब 80 लाख रुपये की ज्वैलरी व एक लाख 35 हजार रुपये की नगदी बरामद हुई है। अभियुक्तों को उपचार हेतु जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। अभियुक्तों के पूर्ण आपराधिक इतिहास व अन्य जानकारी की जा रही है।

द्वारका उतराखण्डी उत्तरायणी समिति द्वारा घुघुती समारिका का विमोचन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। द्वारका स्थित दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज के सभागार में सामाजिक, शैक्षिक एव सांस्कृतिक उत्थान के लिए अग्रसर संस्था द्वारका उतराखण्डी उत्तरायणी समिति द्वारा घुघुती समारिका का विमोचन बड़ी धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्जवलित व गणेश वंदना से की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में डीन ऑफ कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रोफेसर बलराम पाणि और प्रोफेसर दयाल सिंह पंवार, ले. जन. ए.के. रावत, अध्यक्ष प्रेम सिंह रावत, कोर कमेटी के सभी मेंबर सहित संस्था के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारिका के विमोचन पर उत्तराखंड के लोक नृत्यों को उपस्थित लोगों भरपूर आनंद उठाया द्वारका उतराखण्डी उत्तरायणी समिति अध्यक्ष प्रेम सिंह रावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में देवभूमि उतराखंड अपनी संस्कृति एवं अद्भूत सौंदर्य व प्राचीन परंपराओं को सहेजे हुए है। लोक संस्कृति एवं लोकगीतों ने अंतर्राष्टीय स्तर पर ख्याती प्राप्त की हुइ है। इस समारिका में उतराखंड वासियों को अपनी जन्मभूमि एवं अपनी संस्कृति को स्मरण करने को प्रेरित करेगी तथा जनमानस को इसकी जानकारी प्राप्त होने के साथ साथ युवाओं के लिए भी स्मारिका अपनी संस्कृति को पहचानने में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने के साथ प्ररेण का स्रोत्र भी बनेगी उत्तराखंड की अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य की मानिंद इसकी संस्कृति भी बेहद खूबसूरत और विशिष्ट है। यहां के लोक जीवन, लोकगीतों में अपनी संस्कृति का गौरवशाली इतिहास आज भी स्पंदित है। कुछ तो बात है, जो उत्तराखण्ड की संस्कृति को अनूठी और विशिष्ट बनाती है, इसलिए तो यहां का समुदाय अपना विनीत परिचय देते हुए -करीने से संजोए अपने अतीत के गौरवशाली इतिहास को, वर्तमान में अनुभूत जीवन पलों को एक साथ पिरोकर एक खूबसूरत लोकगीत के रूप में अपना परिचय देते हुए कहने लगता है कि - ठहम उत्तराखंडी छा ठ तो यह आत्मीयता का आलोक, समस्त अजनबीपन के एहसास के तिमिर को आलोकित कर देता है विमोचन पर हमने सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि, विषय पर अपने विचार रखें उन्होंने सभी से ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने की प्रतिज्ञा लेने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि हम लोग उत्तराखंड की लोक संस्कृति के प्रसार प्रचार के लिए द्वारका उपनगरी में कई वर्षों से सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते रहते है।

नोएडा श्रम समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सीटू ने विकास आयुक्त कार्यालय एनएसईजैड पर धरना प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। मैसर्स लिस्टर मोएस्सनर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नंबर-124 व 147 एनएसईजेड नोएडा गौतम बुध नगर में कार्यरत श्रमिकों

की लंबित चल रही श्रम समस्याओं/मांगो एवं संस्थान में श्रम कानूनों को लागू करवाने की मांग को लेकर इंजीनियरिंग उद्योग कामगार यूनियन सीटू के बैनर तले श्रमिकों ने विकास आयुक्त नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र गौतम बुध नगर के कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन कर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार व प्रमुख सचिव श्रम, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर, पुलिस आयुक्त गौतम बुध नगर को संबोधित ज्ञापन विकास आयुक्त को दिया। दिए गए ज्ञापन में संस्थान में कार्यरत समस्त श्रमिकों को वेतन का भुगतान समय से करवाने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2023- 24 का बोनस का भुगतान करवाया जाए और श्रमिकों के योजित वादों में जल्द से जल्द सुनवाई कर निर्णय दिलवाया जाए और संस्थान पर लागू इंजीनियरिंग उद्योग का वेतनमान लागू करवा कर श्रमिकों की नियुक्ति की तिथि से लागू होने की तिथि तक की एरिया की धनराशि दिलवाई जाए, संस्थान में कार्यरत समस्त श्रमिकों को हाजिरी कार्ड, वेतन पर्ची, परिचय पत्र, लीव बुक, दिलवाने के साथ ही वेतन, बोनस, अर्जित अवकाशों व अतिरिक्त समय की धनराशि का कानूनन बैंक खाता के माध्यम से भुगतान करवाया जाए। साथ ही 6 मार्च 2024 को दिए गए मांग पत्र पर सम्मानजनक समझौता करवाया जाए आदि मांगे की गई। धरनारत श्रमिकों को सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत शर्मा, जिला महासचिव रामसागर, जिला सचिव रामस्वारथ ने संबोधित किया। सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत शर्मा ने कहा कि यदि श्रमिकों की समस्याओं को समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में विकास आयुक्त कार्यालय एन. एस. ई. जैड. पर बड़ा प्रदर्शन फिर किया जाएगा।

बॉलीवुड/टेली मसाला

एक साथ नजर आएंगे 'डेडपूल' और शाहरुख खान, दुबई में रयान रेनॉल्ड्स के साथ होगी रोचक मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शाहरुख खान हॉलीवुड सुपरस्टार रयान रेनॉल्ड्स के साथ 'ग्लोबल फ्रेट समिट' में शामिल होने

वाले हैं। कार्यक्रम के लिए अभिनेता ने दुबई की उड़ान भरी है। शाहरुख खान 'ग्लोबल फ्रेट समिट' में हिस्सा लेने वाले हैं। अभिनेता इस कार्यक्रम में एसमीयू की फिल्म 'डेडपूल' के अभिनेता रयान रेनॉल्ड्स के साथ शामिल होंगे। समिट के लिए किंग खान ने दुबई के लिए उड़ान भरी है। अभिनेता को सादे अंदाज में एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड स्टार तक इस हाई प्रोफाइल कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते नजर आएंगे। डीपी वर्ल्ड द्वारा आयोजित 'ग्लोबल फ्रेट समिट' का तीसरा संस्करण 18 नवंबर से 20 नवंबर तक दुबई में आयोजित किया जा रहा है। शिखर सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के वक्ता कारोबार की रणनीतियों को साझा करेंगे। 20 नवंबर को शाहरुख खान और रयान रेनॉल्ड्स मुख्य भाषण देने वाले हैं। शाहरुख खान बॉलीवुड सुपरस्टारडम से बिजनेस सक्सेस तक के विषय पर अपनी बात रखेंगे। शाहरुख खान का सेशन स्थानीय समयानुसार सुबह 10:10 बजे से 10:45 बजे तक होने वाला है। दूसरी ओर, रयान रेनॉल्ड्स स्थानीय समयानुसार दोपहर 2:00 बजे से 2:30 बजे तक निर्धारित अपने सत्र में 'प्लेइंग फॉर द बिग लीग्सः फ्रॉम द मूवी थिएटर टू डिसरप्टिंग बिजनेस' पर चर्चा करेंगे। शाहरुख खान और रयान रेनॉल्ड्स एक ग्लोबल स्टार होने के साथ ही एक सफल बिजनेस मैन भी हैं। प्रोडक्शन कंपनी और एंटरप्रेन्योर होने के साथ ही किंग खान एक क्रिकेट टीम के भी मालिक हैं। वहीं, रयान रेनॉल्ड्स एक प्रोडक्शन कंपनी और एक फुटबॉल टीम के मालिक होने के साथ ही मोबाइल नेटवर्क सेवा जैसे उद्यमों के लिए भी जाने जाते हैं। ऐसे में अभिनेता के साथ-साथ ये सफल व्यवसायी समिट में अपने विचार और सफलता के मंत्र को साझा कर लोगों को प्रेरित करेंगे।

स्कॉरसेसे और स्पीलबर्ग की होने जा रही दिलचस्प जुगलबंदी, एपल टीवी ने दी इस कहानी को हरी झंडी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दो ऑस्कर विजेताओं मार्टिन स्कॉर्सेसे और स्टीवन

स्पीलबर्ग द्वारा निर्मित टीवी सीरीज केप फियर को औपचारिक रूप से हरी झंडी दे दी है। उनके साथ इस सीजन में जेवियर बार्डेम भी नजर आएंगे। निक एंटोस्का (द एक्ट) द्वारा निर्मित , केप फियर जॉन डी. मैकडोनाल्ड के उपन्यास ठद एक्जीक्यूशनर्सठ पर आधारित है। इसी नाम की 1962 की फीचर फिल्म के अलावा स्कोर्सेसे द्वारा निर्देशित 1991 की रीमेक से भी प्रेरित है। फैंस के लिए खुशखबरी है कि अब 'केप फियर' ज्ज्त ऊ्ञ पर प्रसारित होगी। 'केप फियर' पूरे दस एपिसोड की सीरीज है। इसमें सस्पेंस, थ्रिलर और 21वीं सदी में अमेरिका के सच्चे अपराध के प्रति जुनून को दर्शाया जाएगा। कहानी की बात करें तो अमांडा और स्टीव बोडेन के जीवन में तब तूफान आता है, जब उनके अतीत का हत्यारा मैक्स कैडी (बार्डेम द्वारा अभिनीत) जेल से बाहर आ जाता है। यह मैकडोनाल्ड की पुस्तक और फिल्मों से थोड़ा हटकर है, जहां केवल पति ही वकील होता है। दोनों फिल्मों में मैक्स की भूमिका रॉबर्ट मिचम (1962) और रॉबर्ट डी नीरो (1991) ने निभाई थी। विवाहित जोड़े की भूमिका ग्रेगरी पेक और पॉली बर्गन और निक नोल्टे और जेसिका लैंग ने निभाई थी। यह भूमिका बार्डेम को खलनायक की दुनिया में वापस ले आएगी, उन्होंने कई फिल्मों में उत्कृष्ट अभिनय किया है, जिनमें नो कंट्री फॉर ओल्ड मेन भी शामिल है , जिसके लिए उन्हें ऑस्कर मिला था। केप फियर टीवी सीरीज का निर्माण यूनिवर्सल स्टूडियो ग्रुप के यूसीपी और एम्बलिन टेलीविजन द्वारा किया गया है, जो यूनिवर्सल पिक्चर्स के विभाग हैं, जो दोनों फिल्मों के पीछे का स्टूडियो है और एम्बलिन एंटरटेनमेंट, जिसने 1991 में बनी फिल्म का निर्माण किया था। स्पीलबर्ग, जिन्होंने 1991 की फिल्म का निर्माण किया था, स्कोर्सेसे और एंटोस्का एलेक्स हेडलंड के साथ मिलकर ईट द कैट का कार्यकारी निर्माण करेंगे। डैरिल फ्रैंक और जस्टिन फालवे स्पीलबर्ग के साथ मिलकर एम्बलिन टेलीविजन का कार्यकारी निर्माण करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐप्पल टीवीः का स्कॉर्सेसे का फर्स्ट-लुक टीवी से डील तय है, जिसने हाल ही में किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून का निर्देशन किया था। जिन्होंने एम्बलिन टेलीविजन ने हाल ही में मास्टर्स ऑफ द एयर का निर्माण किया था। बार्डेम का एप्पल के साथ भी मौजूदा रिश्ता है, वह एप्पल ओरिजिनल फिल्म्स की फिल्म एफ1 में नजर आएंगे, जिसका प्रीमियर 25 जून 2025 को वैश्विक सिनेमाघरों में होगा।

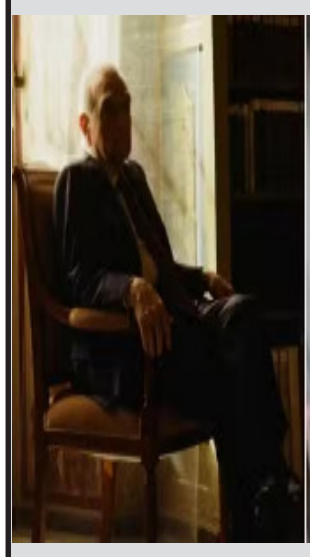

कंगुवा' के निराशाजनक कलेक्शन से खुलीं निर्माताओं की आंखें, अब उठाया ये बड़ा कदम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कंगुवा के निराशाजनक प्रदर्शन से अब फिल्म के निर्माताओं की आंखें खुल गई हैं। उन्होंने बड़ा कदम उठाते हुए फिल्म की लंबाई को छोटा कर दिया है। सूर्या अभिनीत कंगुवा ने 14 नवंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक दी थी। रिलीज से पहले निर्माताओं ने इस फिल्म ने अच्छा कारोबार नहीं किया। शनिवार को फिल्म ने नौ करोड़ 85 लाख और रविवार को 10.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं मंडे टेस्ट में भी यह फिल्म पुरी तरह से फेल रही। लगातार हो रही कम कमाई ने निर्माताओं को चिंता में डाल दिया है। फिल्म को और अधिक नुकसान से बचाने के लिए अब

को लेकर बड़े बड़े दावे किए थे। कंगुवा को लेकर कहा गया था कि यह कॉलीवुड के लिए पहली 1000 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्म होगी। हालांकि, सिनेमाघरों में आने के बाद फिल्म ने दर्शकों को बुरी तरह निराश किया और लगातार मिल रही आलोचनाओं से इसके कलेक्शन पर गहरा असर देखने को मिला। सिरुथाई शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कमाई में पहले दिन के बाद से ही लगातार गिरावट देखी जा रही है। सूर्या की यह फिल्म दूसरे दिन ही टिकट खिड़की पर 60 फीसदी की गिरावट के साथ धराशायी हो गई। वहीं तीसरे और चौथे दिन भी फिल्म निर्माताओं ने फिल्म को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक निर्माताओं ने फिल्म की समय-अवधि को 12 मिनट छोट कर दिया है। पहले यह फिल्म 154 मिनट लंबी (2 घंटे और 34 मिनट) थी, लेकिन अब इस पर कैंची चलाकर इसे 142 मिनट (2 घंटे और 22 मिनट) लंबा कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोवा की पृष्ठभूमि में 2024 के दिखाए गए दृश्यों को फिल्म से छांटा गया है। देखना दिलचस्प होगा कि निर्माताओं के इस कदम से क्या फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर कोई असर पड़ता है या कंगुवा टिकट खिड़की पर बुरी तरह फ्लॉप रहती है।

विल स्मिथ के साथ गंवाया डेब्यू का मौका, बाद में तारा की पहली फिल्म के लिए भारत आए हॉलीवुड स्टार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तारा सुतारिया अभिनेत्री होने के साथ एक गायिका भी हैं। अदाकारी के अलावा वह

अपनी आवाज से भी लाखों दिलों पर राज करती हैं। तारा सुतारिया की गिनती हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनत्रियों में होती है। वह हर साल 19 नवंबर को अपना जन्मदिन मनाती हैं। इस बार उनका यह 29वां जन्मदिन हैं। तारा की गिनती उन अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने कम समय में बॉलीवुड में खास जगह बनाई है। चलिए उनके जन्मदिन पर जानते हैं उनसे जुड़ी खास बातें...तारा सुतारिया का जन्म मुंबई में हुआ। उनके पिता हिमांशु सुतारिया हिंदू धर्म और मां टीना पारसी समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने सेंट एंड्रयूज कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स से मास मीडिया में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। आपको जानकर हैरानी होगी कि तारा की एक जुड़वां बहन भी हैं, जिनका नाम पिया सुतारिया है। यूं तो पिया लाइमलाइट से काफी दूर नजर आती हैं, लेकिन वह खूबसूरती के मामले में किसी से पीछे नहीं हैं। तारा सुतारिया को गायकी और डांस में महारत हासिल है। उन्होंने क्लासिक बैले और मॉडर्न डांस का प्रशिक्षण ले रखा है। तारा ने बहुत छोटी उम्र से गायकी शुरू कर दी थी। वह सात साल की उम्र से पेशेवर गायिका के तौर पर अपनी आवाज का जादू बिखेर रही हैं। तारा ने डिज्नी इंडिया के शो बिग बड़ा बूम में गायिका के तौर पर अपनी शुरुआत की थी और फिर इसी चैनल के सिटकॉम द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर (2012) और ओए जस्सी (2013) से अभिनय में कदम रखा। इन दोनों ही शोज से उन्हें लोगों के बीच खास पहचान मिली। तारा सुतारिया उन दो अभिनोत्रियों में से एक थीं, जिन्हें हॉलीवुड फिल्म अलादीन के लिए चुना गया था। राजकुमारी जैस्मीन के रोल की वह प्रबल दावेदार थीं। हालांकि, बाद में यह रोल नाओमी स्कॉट के पास चला गया। फिल्म अलादीन में विल स्मिथ जैसे हॉलीवुड के बड़े सुपरस्टार ने अहम भूमिका निभाई थी। तारा सुतारिया ने भले ही विल स्मिथ की फिल्म से डेब्यू का मौका गंवा दिया, लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। तारा की पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 थी, जिसमें विल स्मिथ विशिष्ट भूमिका में दिखे थे। इस फिल्म के लिए हॉलीवुड स्टार ने भारत आकर एक गाने में अपनी झलक दिखाई थी।

बिग बॉस के घर में गदर काटने आ रही ये हसीना, जानें कौन हैं अदिति मिस्त्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'बिग बॉस 18' के घर में फिटनेस इन्फ्लुएंसर अदिति मिस्त्री बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री ले रही हैं। आइए जानते हैं वह कौन हैं?'बिग बॉस 18' के ड्रामा और रोमांच को बढ़ाने का निर्माता हर को घर में लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मॉडल अपनी आकर्षक इंस्टाग्राम उपस्थिति और फिटनेस के प्रति जुनून के लिए जानी जाती हैं। अदिति सोशल मीडिया पर भी काफी मशहूर हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2.4 मिलियन

संभव प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में, निर्माताओं ने कुछ हफ्ते पहले दो वाइल्ड कार्ड प्रतियोगियों, दिग्विजय सिंह राठी और कशिश कपूर को पेश किया, जिन्हें आखिरी बार स्प्लिट्सविला 15 में एक साथ देखा गया था। अब तीन और वाइल्ड कार्ड एंट्री बिग बॉस के घर में होने वाले हैं, जिसमें अदिति मिस्त्री, एडिन रोज और यामिनी मल्होत्रा शामिल हैं। आइए जानते हैं इनमें से एक अदिती मिस्त्री के बारे मेंष्ठ अदिति मिस्त्री एक लोकप्रिय मॉडल और डिजिटल क्रिएटर और फिटनेस इन्फ्लुएंसर हैं। अदिति अपने आकर्षण और ऊर्जा फॉलोअर्स हैं। वह फिटनेस से जुड़े कंटेंट प्रशंसकों के साथ साझा करती रहती हैं। घर में प्रवेश करने से पहले अदिति ने कहा, ठमैं यहां अपनी उपस्थिति महसूस कराने और खेल को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए हूं। देखते हैं चीजें कैसे सामने आती हैं! उनकी बातों से उनका आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। इन तीनों वाइल्ड कार्ड प्रतियोगियों के घर में आने से समीकरण बदलेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अदिति की कुल संपत्ति करीब 5 करोड़ रुपये है। वह मुख्य रूप से मॉडलिंग, इन्फ्लुएंसर वर्क, फिटनेस ट्रेनिंग और ऐप से कमाई करती हैं।

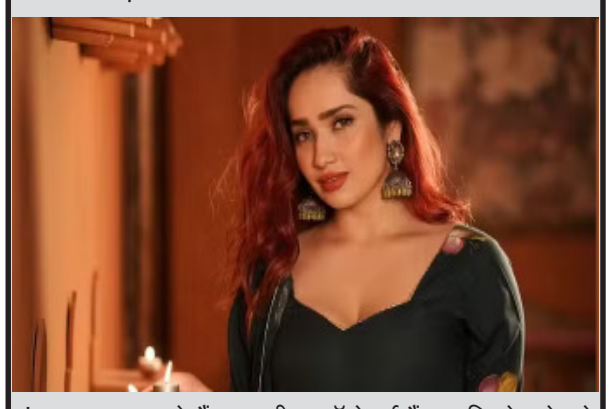

शादीशुदा से ज्यादा समय तो विधवा रहीं मेरी नानी, अनचाहे मर्दो पर पायल का सीधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पायल ने कान में ग्रां प्रि पुरस्कार जीतने वाली अपनी फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' अपनी नानी को समर्पित की है।

अगले हफ्ते ये फिल्म भारत में रिलीज हो रही है। निर्देशक पायल कपाड़िया का नाम अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा में खूब है। उनकी मां नलिनी मलानी की गिनती देश की शुरुआती वीडियो आर्टिस्ट्स में होती है। पायल ने कान में ग्रां प्रि पुरस्कार जीतने वाली अपनी फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' अपनी नानी को समर्पित की है। अगले हफ्ते ये फिल्म भारत में रिलीज हो रही है। पायल से ये खास बातचीत की है 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल ने। ये फिल्म मेरी नानी की कहानी से ही शुरू होती है। मेरा बचपन नानी के साथ ही बीता है और उनका बहुत प्रभाव रहा है मेरे ऊपर। फिल्म में जो बुजुर्ग महिला आप देखते हैं जो अपने दिवंगत पति के बारे में बातें करती रहती है, वह मेरी नानी के जीवन से ली गई घटना है। जब मेरी नानी की उम्र करीब 95 साल थी तो उन्हें लगा कि उनकी याददाश्त जा रही है तो उन्होंने एक डायरी लिखनी शुरू की। इस डायरी में वह अपनी यादें लिखती थीं। मैंने उनकी अनुमति लेकर ये डायरी पढ़नी शुरू की तो उसमें उन्होंने लिखा है, ङ्कमेरे पति आए हैं मुझसे मिलने और वह वहां पर खड़े थे। जब मेरी नानी 55 साल की थीं तो मेरे नाना गुजर गए। मैंने उन्हें कभी देखा नहीं। आप सोचिए मेरी नानी 55 साल से लेकर 95 साल तक अकेली थीं। मैं तो यही सोच रही थी कि जितने साल वह शादीशुदा नहीं रहीं, उससे ज्यादा जीवन तो उन्होंने अकेले बिताया। और, उस समय तो ये सोचना भी अजीब ही होता होगा कि कोई दूसरी शादी करे। उन दोनों के आपसी रिश्ते भी बहुत अच्छे नहीं थे, ऐसा मुझे मेरी मां ने बताया था। हां, वह अंग्रेजी में कहते हैं ना 'ओड', किसी व्यक्ति विशेष को लक्षित कर की गई रचना। तो ये एक ओड है मेरी नानी के लिए। ये सब मैंने उनकी डायरी में ही पढ़ा। वह परेशान रहती थीं। उन्हें तंबाकू की महक आती रहती थी। और, ये सब पढ़ते हुए मैं वही सोचती थी कि ये जो पुरुष किरदार हैं, ऐसे किरदार जो हमारे जीवन में हमें नहीं चाहिए। फिर भी वे आते ही रहते हैं किसी भूत की तरह। ये वही है किसी जगह बिना बात के रुके रहना। रिश्तों का वह एहसास जो हम इस समाज के चलते आसानी से छोड़ नहीं सकते। मैंने ये फिल्म अपनी नानी के अस्पताल में भर्ती होने के समय सोची। वहीं सिस्टर लवली से मुलाकात हुई। चिकित्सकीय पेशे का पूरा माहौल मुझे वहीं से मिला। आप देखेंगे तो वहां अधिकतर महिलाएं ही काम करती हैं। महिलाओं पर ही गर्भ निरोधन की जिम्मेदारी भी पुरुष डालना चाहते हैं। मुझे ये सब बहुत प्रवचन जैसा तो नहीं, लेकिन फिर भी फिल्म में रखना था। छह साल पहले से ये कहानी मेरे जहन में थी। कायदे से इसे लिखना मैंने दो साल पहले शुरू किया। अगर फिल्म का निर्देशक भारतीय है तो नियम के मुताबिक इसे भारतीय फिल्म माना जा सकता है। लेकिन हां, हमारा ये संयुक्त निर्माण है। संयुक्त निर्माण का पूरा खेल ही ये होता है कि अलग अलग देशों की सरकारों से इसे आर्थिक सहायता मिलती है। हमें यहां से भी टैक्स में छूट मिली थी।

मशहूर गायक ने अपनी आवाज खोने का किया खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर गायक और संगीतकार शेखर रवजियानी ने अपने प्रशंसकों को तब हैरान कर दिया, जब उन्होंने खुलासा किया कि उनकी आवाज चली गई थी। सिंगर ने यह भी बताया कि उन्होंने अपनी खोई हुआ आवाज कैसे वापस पाई। बॉलीवुड के मशहूर गायक और संगीतकार शेखर रवजियानी ने सोमवार को ऐसा खुलासा किया जिसने, प्रशंसकों को हैरान कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए बताया कि दो साल पहले उनकी आवाज चली गई थी। उनके इस खुलासे ने प्रशंसकों को बेहद चिंता और हैरानी में डाल दिया। गायक ने बताया कि वह वोकल कॉर्ड पैरालिसिस से कैसे उबरे। शेखर और विशाल ददलानी की जोड़ी काफी मशहूर है। इस जोड़ी ने कई हिट गाने दिए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, ठयह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने पहले कभी नहीं कहा...आज इसे शेयर करने का मन कर रहा है। मैंने दो साल पहले अपनी आवाज खो दी थी। लेफ्ट वोकल कॉर्ड पैरेसिस - यह डॉ. नुपुर नेरुरकर का विशेषज्ञ निदान था। मैं बर्बाद हो गया था। ईमानदारी से कहूं तो मैं निराशावादी था...मुझे लगता था कि मैं फिर कभी नहीं गा पाऊंगा। गायक ने आगे कहा, ठमेरा परिवार चिंतित था और मैं उन्हें तनावग्रस्त देखकर खुश नहीं था। मैंने बस और अधिक प्रार्थना की। मैंने काम करना बंद नहीं किया। कोशिश करता रहा, आगे बढ़ता रहा।

शॉन लेवी की फिल्म ने ओटीटी पर भी काटा गदर, 'ब्लैक पैंथर' के रिकॉर्ड को किया ध्वस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शॉन लेवी के निर्देशन में बनी फिल्म 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' ने ओटीटी पर भी महारत हासिल की है। फिल्म ने छह दिनों के भीतर वैश्विक स्तर पर 2.5 लाख (19.4 मिलियन) व्यूज हासिल कर कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। रयान रेनॉल्ड्स और ह्यू जैकमैन अभिनीत 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' ने एमसीयू को एक बहुत बड़ी हिट दी है और सिनेमाई इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली आर-रेटेड फिल्म का खिताब हासिल किया है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद फिल्म अब दुनिया भर में ओटीटी स्ट्रीमिंग के उपलब्ध है। शॉन लेवी के निर्देशन में बनी एमसीयू की इस फिल्म को अपने स्ट्रीमिंग डेब्यू में मजबूत शुरुआत मिली। 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' की ओटीटी दस्तक 12 नवंबर को डिज्नीः पर हुई। वहीं, डिज्नी के अनुसार, मार्वल स्टूडियोज की फिल्म को छह दिनों की स्ट्रीमिंग के दौरान वैश्विक स्तर पर तकरीबन

2.5 लाख (19.4 मिलियन) बार देखा गया। इस तरह यह साल 2023 की फिल्म 'ब्लैक पैंथरः वकंडा फॉरएवर' के बाद दुनिया भर में डिज्नीः पर सबसे ज्यादा देखी गई लाइव एक्शन फिल्म बन गई है। तुलना के लिए, डिज्नी ने सितंबर में बताया कि एनिमेटेड फिल्म 'इनसाइड आउट 2' ने डिज्नीः पर अपने पहले पांच दिनों में 30.5 मिलियन व्यूज हासिल किए। इससे पहले 'डेडपूल और वूल्वरिन' 1 अक्तूबर को स्टेटसाइड डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हुई और इसने 'लायंसगेट' की 'जॉन विकः चैप्टर 4' को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ यह घरेलू डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आर-रेटेड फिल्म के लिए पहले हफ्ते में सबसे ज्यादा बिकने वाली फिल्म साबित हुई। स्थान 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' के नाम कई और रिकॉर्ड हैं। यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली घरेलू फिल्मों में 5वें स्थान पर, अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों में दसवें स्थान पर और वैश्विक स्तर पर एमसीयू फिल्मों में सातवें स्थान पर काबिज है। इसने 2016 की 'डेडपूल' को पीछे छोड़ते हुए आर रेटेड फिल्मों की श्रेणी में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली वैश्विक ओपनिंग की। 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' को ए सिनेमा स्कोर मिला है। डेडपूल और वूल्वरिन' ने जुलाई 2024 में सिनेमाघरों में अपनी दमदार शुरुआत की। 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के दो सबसे पसंदीदा किरदारों- रयान रेनॉल्ड्स के 'डेडपूल' और ह्यू जैकमैन के 'वूल्वरिन' को एक साथ लेकर आई। फिल्म ने भारत में अपने पहले हफ्ते में 89.65 करोड़ रुपये कमाए। शॉन लेवी द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1.3 बिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की और 2024 की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई। फिल्म में रयान रेनॉल्ड्स (डेडपूल) और ह्यू जैकमैन (वूल्वरिन) मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही फॉक्स यूनिवर्स से मोरेना बैकारिन (वैनेसा), लेस्ली उग्गाम्स (ब्लाइंड अल), रॉब डेलाने (पीटर), ब्रायना हिल्डेब्रांड (नेगासोनिक टीनेज वॉरहेड) और शिओली कुत्सुना (युकिओ) भी इसमें शामिल हैं। एमसीयू में नए प्रवेशकों एम्मा कोरिन (कैसेंड्रा नोवा) और मैथ्यू मैकफैडेन (एक टीवीए एजेंट) ने कलाकारों की शक्ति को और भी बढ़ा दिया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।